हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार, 1 जुलाई 2025

9 महेंद्रगढ़ में सघन स्वच्छता अभियान बना जन आंदोलन...

10 शिक्षा विभाग हर रोज स्कूलों में प्रार्थना के दौरान बच्चों को दें मलेरिया...

MR DEGREE COLLEGE
।। तमसो मा ज्योतिर्गमय ।।
Affiliated to Indira Gandhi University, Meerpur (Rewari)
GET UPTO 100% SCHOLARSHIP
COURSE AVAILABLE
B.SC. (Medical) / B.SC. (Non-Medical)
B.A. / B.COM / M.SC. (Phy. & Chem.)
B.Ed. / JBT / D-PHARMA
ADMISSION OPEN
Session 2025-26
For Admission Visit College Campus
Bus Facility Available From All Routes
MITTERPURA (M/GARH) HRY.
9466886066, 9416903367, 9416903021
mrcollegemitterpura@gmail.com

सड़क निर्माण के दौरान 11 जगह टूटी पेयजल लाइन, लोग परेशान, कई घरों में नहीं पहुंच रहा पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

शहर के 11 हट्टा बाजार की सड़क का निर्माण कार्य शुरू होने से लोगों को राहत मिली है। वहीं दूसरी ओर सड़क निर्माण के दौरान टूटी पेयजल लाईन लोगों के लिए परेशानी बन चुकी है। एक सप्ताह से कई घरों में पीने का पानी नहीं पहुंच रहा। वहीं जलभराव के कारण लोगों को आवागमन में भारी परेशानी उठानी पड़ रहीं है।

बता दें कि नगर पालिका की ओर से मसानी चौक से 11 हट्टा बाजार की सड़क का करीब 2.98 करोड़ रुपये की लागत से निर्माण किया जा रहा है। भगवान परशुराम चौक से मसानी चौक तक सड़क निर्माण को लेकर 22 जून को मशीन से सड़क उखाड़ी गई थी। सड़क उखाड़ते समय 11 पेयजल की छोटी व बड़ी लाइन टूट गई। पाइप लाइन टूटने से इस मार्ग पर जलभराव हो गया। जलभराव के कारण शहर की आधी आबादी को मसानी चौक से परशुराम चौक तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेना पड़ रहा है। जलभराव के कारण दुकानदारी भी प्रभावित हो रही है। मसानी चौक से परशुराम चौक तक करीब 200 दुकानें हैं। दिनभर इस मार्ग पर आवागमन के कारण भीड़भाड़ भी अधिक रहती है। पिछले एक सप्ताह से लाइन टूटने के कारण जलभराव से अनेक घरों में पानी तक नहीं पहुंच पा रहा है।

अधिकारी नहीं दे रहे ध्यान

स्थानीय निवासी अजीत यादव ने बताया कि मसानी चौक से भगवान परशुराम मार्ग तक पानी भर जाने से काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। पानी में से वाहन निकलते है तो पानी के छीटें सीधे दुकान के अंदर जाते है। इससे काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। नगर पालिका व जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारी इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे है।

महेंद्रगढ़। सड़क मार्ग पर पेयजल लाइन टूटने से हुआ जलभराव। फोटो : हरिभूमि

घरों से निकलना हुआ मुश्किल

स्थानीय निवासी प्रथम ने बताया कि आसपास के घरों के सामने एक सप्ताह से पानी खड़ा है। ऐसे में घरों से बाहर निकलने में काफी परेशानी उठानी पड़ रहीं है। नगर पालिका को लोगों की परेशानी को ध्यान में देखते हुए सड़क तोड़नी चाहिए। सड़क तोड़ते समय पेयजल पाइप लाइन तोड़ने से जलभराव हो गया।

हादसें होना के बना रहता है डर

स्थानीय निवासी जगराम सैनी ने बताया कि घरों के सामने एक सप्ताह से चार से पांच फीट पानी खड़ा है। लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। एक तो सड़क टूटी हुई है तथा जलभराव होने से वाहन चालकों का संतुलन कई बार बिगड जाता है। कई लोग गिरकर घायल हो चुके है। नपा प्रशासन को जल्द लोगों की समस्या की ओर से ध्यान देना चाहिए।

दूसरे रास्ते का लेना पड़ रहा है सहारा

स्थानीय निवासी अमित शर्मा ने बताया कि जलभराव होने के कारण लोगों को भारी परेशानी उठानी है। अपने घर के छोटे-छोटे कामों को करने के लिए दूसरे मार्ग का सहारा लेना पड़ रहा है। जलभराव के कारण लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। यह सबसे छोटा रास्ता है। कई लोग गिरकर घायल हो चुके है।

जनस्वास्थ्य विभाग से ठीक कराई जाएंगी पेयजल लाइन: नगर पालिका के प्रधान रमेश सैनी का कहना है कि ठेकेदार को सड़क का निर्माण कार्य जल्द पूरा करने के लिए कह दिया गया है। वहीं जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से संपर्क करके जल्द पेयजल लाइन को ठीक कराया जाएगा। ताकि आसपास के लोगों को परेशानी ना हो।

खबर संक्षेप

माली टिब्बा में सुंदरकांड पाठ आज

नारनौल। श्री मेहंदीपुर बालाजी मित्र मंडल के तत्वावधान में मंगलवार रात को माली टिब्बा में प्रेमचंद सैनी व नरेश सैनी के निवास स्थान पर सुंदरकांड पाठ किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए मंडल के सदस्य तरुण सोनी ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल के प्रधान महावीर प्रसाद अग्रवाल करेंगे।

अटेली में हनुमान जी का रोट आज

मंडी अटेली। हनुमान जी का रोट एक जुलाई को नारनौल-रेवाड़ी पर अटेली के ओम मैरिज प्लेस में किया जा रहा है। जानकारी देते हुए डॉ. रणपाल ने बताया कि सुबह सवा सात बजे हवन किया जाएगा। उसके बाद सवा 10 से प्रसाद वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में क्षेत्र के लोग बाबा का प्रसाद ग्रहण करेंगे।

कांटी धाम में होंगे भंडारा व भजन कीर्तन

मंडी अटेली। बाबा गणेश दास जी महाराज की पुण्यतिथि पर प्राचीन मंदिर कांटी धाम में भंडारा दो जुलाई एवं भजन कीर्तन एक जुलाई की रात्रि को जाएंगे। ठाकुर जी मंदिर सेवा समिति ट्रस्ट के सचिव अनिरुद्ध ने बताया कि एक जुलाई को रात्रि को सवा नौ बजे भजन कीर्तन आयोजित किए जाएंगे, जबकि दो जुलाई को बाबा का भंडारा सवा प्रातः 11 बजे से आयोजित किया जाएगा।

रक्तदान शिविर और सम्मान समारोह आज

नारनौल। किशन लाल शिक्षा एवं जन कल्याण समिति की ओर से स्वर्गीय समाजसेवी किशनलाल यादव की 36वीं पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर एवं सामाजिक संस्थाओं के सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष पवन यादव व सचिव मुकेश यादव ने बताया कि एक जुलाई को सुबह 10 बजे रेड क्रॉस भवन नारनौल में रक्तदान शिविर एवं सामाजिक संस्थाओं के सम्मान समारोह के आयोजन पर पूर्व मंत्री एवं विधायक ओम प्रकाश यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

कानूनी सहायता के लिए फ्रंट ऑफिस स्थापित

नारनौल। नालसा योजना के तहत निशुल्क एवं सक्षम विधिक सेवा 2010 के तहत न्यायिक कॉम्पलेक्स में लोगों को कानूनी सहायता देने के लिए फ्रंट ऑफिस स्थापित किया गया है। जुलाई माह में अधिवक्ता विजय कुमार व सुधीर कुमार, अगस्त माह में अधिवक्ता सुरेश कुमार व अजय कुमार पांडेय तथा सितंबर माह में अधिवक्ता अनुप्रिया व विजय कुमार कानूनी जानकारी देंगे।

क्षेत्र के गणमान्य लोगों व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों की बैठक का आयोजन

सतनाली स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की मांग, रेल सेवा समिति ने सौंपा ज्ञापन

ज्ञापन के माध्यम से व्यापक यात्री हित में उपरोक्त मांगों पर संज्ञान लेकर अति शीघ्र पूरा करवाने की मांग की, ताकि क्षेत्र के यात्रियों को बेहतर रेल यातायात का लाभ मिले और रेलवे को भी अतिरिक्त राजस्व की प्राप्ति हो सके।

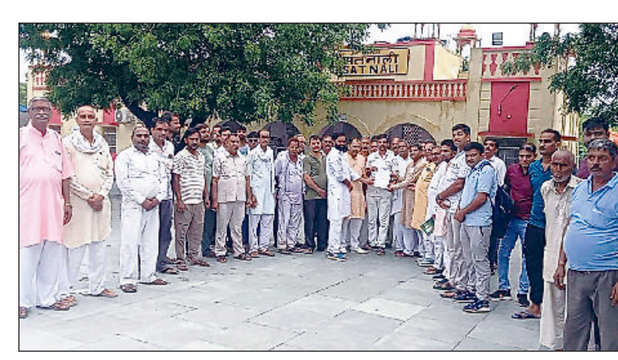

सतनाली मंडी। मांगों पर विचार-विमर्श करते रेल सेवा समिति सदस्य व क्षेत्रवासी व स्टेशन मास्टर को मांगों का ज्ञापन सौंपते रेल सेवा समिति सदस्य व क्षेत्रवासी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭सतनाली मंडी

सतनाली रेलवे स्टेशन परिसर में सतनाली रेल सेवा समिति के संयोजन में क्षेत्र के गणमान्य लोगों व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों की बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान सतनाली स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव सहित रेल संबंधित समस्याओं व मांगों को लेकर विचार विमर्श किया गया। बैठक उपरांत महाप्रबंधक उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर के नाम स्टेशन मास्टर को ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें 22471, 22472, दिल्ली सराय बीकानेर 19701, 19702, दिल्ली जयपुर तथा दिल्ली सराय सीकर एक्सप्रेस के सतनाली स्टेशन पर ठहराव की मांग की।

रेल सेवा समिति के प्रधान दीवान सिंह शेखावत ने बताया कि मांगों को लेकर कस्बे सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोगों की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव एवं रेल संबंधी अन्य समस्याओं व मांगों पर चर्चा की गई।

उन्होंने बताया कि बैठक उपरांत स्टेशन मास्टर को ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें बताया कि उपतहसील मुख्यालय सतनाली हरियाणा व राजस्थान के 80 सैनिक बाहुल्य गांवों का मुख्य रेलवे स्टेशन है और यहां से प्रतिदिन भारी संख्या में यात्री यात्रा करते हैं। स्टेशन पर कुछ ही ट्रेनों का ठहराव है, जिनसे उल्लेखनीय यात्री भार के बावजूद अनेक एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव नहीं दिया गया है। जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में सतनाली स्टेशन पर दिल्ली सराय बीकानेर इंटरसिटी का ठहराव किया जाए।

यह काफी पुरानी मांग है। व्यापक यात्री हित में बीकानेर मंडल की ओर से सतनाली ठहराव को वाणिज्यिक रूप से औचित्यपूर्ण ठहराया जा चुका है, इस गाड़ी के ठहराव के लिए सांसद की ओर से भी अनेक पत्र लिखे जा चुके हैं। इसी प्रकार दिल्ली जयपुर सैनिक एक्सप्रेस का उल्लेखनीय यात्रीभार होने के बावजूद कोरोना काल के बाद महज सतनाली से ठहराव वापस ले लिया गया है, जबकि अनेक स्टेशन जिनका यात्री भार सतनाली से कम है, उन पर इस ट्रेन का ठहराव यथावत है। सतनाली सहित आसपास के गांवों के यात्रियों व सैनिकों के लिए रात को जयपुर एवं खाटू श्याम जाने वाले यात्रियों के लिए यही एकमात्र ट्रेन थी। स्टेशन पर सीकर की ओर चलने वाली एक भी एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव नहीं है।

इसी प्रकार दिल्ली सराय सीकर एक्सप्रेस का सतनाली ठहराव किया जाए। इस ट्रेन का सतनाली स्टेशन पर व्यापक यात्रीभार के बावजूद ठहराव नहीं है। इस ट्रेन के ठहराव से सतनाली क्षेत्र के यात्रियों को सीकर व दिल्ली आने जाने के लिए सुविधा मिलेगी और रेलवे को भी अतिरिक्त राजस्व की प्राप्ति होगी।

उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से व्यापक यात्री हित में उपरोक्त मांगों पर संज्ञान लेकर अति शीघ्र पूरा करवाने की मांग की, ताकि क्षेत्र के यात्रियों को बेहतर रेल यातायात का लाभ मिले और रेलवे को भी अतिरिक्त राजस्व की प्राप्ति हो सके।

कनीना खास रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की मांग

नारनौल। कनीना खास रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस गाड़ियों का ठहराव न किए जाने से कनीना उपमंडल के लोगों में भारी रोष है। अब आक्रोशित लोगों ने चार जुलाई को कनीना स्टेशन पर एक्सप्रेस गाड़ियों के ठहराव की मांग को लेकर प्रदर्शन धरना व रेल रोको आंदोलन करने की ठानी है। आंदोलन के नेता अतरलाल का कहना है कि लोग बार बार ज्ञापन, धरना, प्रदर्शन, महापंचायत करके रेल प्रशासन से कनीना स्टेशन पर एक्सप्रेस गाड़ियों के ठहराव की मांग कर रहे हैं, लेकिन रेल प्रशासन लोगों की मांग की अनदेखी कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह कितना दर्दनाक तथा अमानवीय है कि इलाके के लोगों ने इस रूट की रेलवे लाइन बिछाने के लिए अपनी जमीनें दी और उन्हें ही एक्सप्रेस ट्रेने पकड़ने के लिए रेवाड़ी, महेन्द्रगढ़ व लोहारू जाना पड़ता है। कर्णसिंह यादव, राजेन्द्र पंच, रघवीर मुकदम, हरीश यादव ने कहा कि जब राजस्थान, बिहार, यूपी में छोटे छोटे स्टेशनों पर एक्सप्रेस ट्रेन ठहर सकती हैं, तो कनीना उपमंडल स्तरीय रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस गाड़ियों का ठहराव क्यों नहीं हो सकता। उन्होंने कहा एक्सप्रेस गाड़ियों का ठहराव होना, इलाके के लोगों का हक है, इसलिए चार जुलाई को इलाके के लोग कनीना स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन रेल रोको आंदोलन करेंगे और एक्सप्रेस गाड़ियों का ठहराव मंजूर करवाकर रहेंगे।

स्कूलों में होगा सोशल इमोशनल लर्निंग सर्वे, शिक्षण में मिलेगी मदद

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

हरियाणा सरकार राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों एवम पढ़ा रहे शिक्षकों में सामाजिक व भावनात्मक कौशल की भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर विशेष अभियान चलाएगी। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा शिक्षकों तथा बच्चों के सामाजिक और भावनात्मक कौशल के आकलन हेतु विशेष सर्वेक्षण चलाया जाएगा। राज्य के शिक्षा विभाग ने इस संदर्भ में सभी जिला शिक्षा मौलिक अधिकारियों, एफएलएन कॉर्डिनेटर और संबंधित खण्ड शिक्षा अधिकारियों को आदेश जारी कर पांच जुलाई तक एक सर्वे संपन्न कराने के निर्देश दिए हैं।

राज्य के सैकेंडरी शिक्षा विभाग के निदेशक ने हरियाणा के सभी शैक्षणिक खण्डों के समस्त प्राथमिक स्कूलों के अध्यापकों को अनिवार्य रूप से सोशल इमोशनल लर्निंग (एसईएल) सर्वेक्षण पूरा करने के निर्देश दिए हैं। विभाग के आदेशानुसार यह सर्वे पांच जुलाई तक पूर्ण करना होगा। गूगल फॉर्म के माध्यम से भरे जाने वाले इस सर्वे में 20 मिनट का समय लगेगा, जिसमें शिक्षकों को शिक्षण, विद्यार्थियों की मानसिक स्थिति, अध्यापकों के प्रशिक्षण की आवश्यकता आदि की जानकारी देनी होगी। सभी शिक्षकों को सर्वे फॉर्म को केवल एक बार भरकर वांछित जानकारी देनी होगी।

सर्वेक्षण का उदेश्य

नई शिक्षा नीति 2020 के उदेश्यानुरूप सामाजिक और भावनात्मक कौशल (एसईएल सेल) से शिक्षण संबंधित दृष्टिकोण, समझ, क्रियान्वयन में चुनौतियों, प्रशिक्षण और उसकी आवश्यकता की जानकारी प्राप्त करना लक्ष्य रहेगा। सोशल इमोशनल किस प्रकार विकसित होते हैं और शैक्षणिक सफलता, रोजगार, सक्रिय नागरिकता, स्वास्थ्य और कल्याण को कैसे प्रभावित करते हैं, इस पर समझ प्रदान करते हैं।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

शिक्षाविद एवं प्रवक्ता डॉ संजय शर्मा बताते हैं कि सोशल इमोशनल लर्निंग शिक्षा में एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके माध्यम से बच्चे और वयस्क अपनी भावनाओं को बेहतर ढंग से समझने, उनका प्रबंधन करने, दूसरों के प्रति सहानुभूति रखने, सकारात्मक संबंध बनाने और जिम्मेदार निर्णय लेने के लिए आवश्यक कौशल सीखते हैं। सोशल इमोशनल लर्निंग का उद्देश्य छात्रों को शैक्षणिक सफलता, स्वस्थ रिश्ते, संतोषजनक करियर और जिम्मेदार नागरिकता के लिए तैयार करना है। यह विद्यार्थियों में आत्म जागरुकता विकसित करता है और साथ ही दूसरों के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करना और संबंध बनाना सिखाता है।

नोहरे में फांसी का फंदा लगाकर व्यक्ति ने की आत्महत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

मोहम्मदपुर हमीद खां (हमीदपुर) गांव में करीब 64 वर्षीय एक व्यक्ति ने नोहरे में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने नागरिक अस्पताल से शव का पोस्टमार्टम करा उसे परिजनों को सौंप दिया। जानकारी के अनुसार करीब 64 वर्षीय बहादुर सिंह ने बीती रात्रि को अपने नोहरे में फांसी लगा ली, जिससे उसकी मौत हो गई। परिजनों को जानकारी होने पर इसकी सूचना पुलिस को दी।

पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करने उपरांत शव का नागरिक अस्पताल नारनौल से पोस्टमार्टम कराया तथा उसे परिजनों को सौंप दिया। मृतक ट्रैक्टर से आटा पीसने वाली चक्की चलाता था तथा उसका एक बेटा है।

गढ़ी रूथल में विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

गांव गढ़ी रूथल में करीब 34 वर्षीय एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा उसे परिजनों को सौंप दिया। जानकारी मुताबिक करीब 34 वर्षीय सुमनलता की गांव गढ़ी रूथल में घर पर ही मौत हो गई।

अस्पताल आए परिजनों ने बताया कि सुमन की तबीयत खराब हुई थी, जिस पर उसे बीपी की प्रॉब्लम पाई गई थी और तब चिकित्सकों ने उसे दवा देकर घर भेज दिया था, लेकिन अब न जाने उसकी कैसे मौत हो गई।

मृतक के करीब पांच बच्चे हैं तथा पति मजदूरी करता है। वह ट्रक पर माल भराई का काम करता है। पुलिस ने परिजनों के बयान पर कार्रवाई करने उपरांत शव का चिकित्सकों से पोस्टमार्ट करवा उसे उनके सुपुर्द कर दिया।

विदेशी भाषा के रूप में विद्यार्थी सिखेंगे फ्रेंच, चयनित होंगे स्कूल, अंग्रेजी अध्यापक और प्रवक्ताओं से मांगे गए थे आवेदन

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

स्कूली शिक्षा विभाग हरियाणा फ्रेंच दूतावास एवम फ्रेंच एंड इंडि संस्थान के साथ मिलकर आगामी सत्र में राज्य के चयनित विद्यालयों में फ्रेंच भाषा को विदेशी भाषा के रूप में सिखाने की कार्ययोजना पर तेजी से कार्य कर रहा है। इसके लिए फ्रेंच सिखाने के इच्छुक अध्यापकों को फ्रेंच भाषा का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस संदर्भ में एडिशनल डायरेक्टर माध्यमिक शिक्षा विभाग हरियाणा ने डायरेक्टर एससीइआरटी हरियाणा, राज्य के सभी जिला शिक्षा अधिकारी और डाइट प्रिंसिपल्स को पत्र लिखकर फ्रेंच भाषा सिखाने वाले अध्यापकों की चयन प्रक्रिया का दूसरा चरण आरंभ होने की जानकारी दी है।

अपने पत्र में एडिशनल डायरेक्टर ने बताया कि हरियाणा के चयनित राजकीय विद्यालयों में फ्रेंच भाषा विदेशी भाषा के रूप में सिखाई जाएगी। फ्रेंच भाषा सीखने के लिए गत दिनों अंग्रेजी अध्यापकों और प्रवक्ताओं से आवेदन मांगे गए थे। इसके लिए राज्य के अनेक टीजीटी और पीजीटी अंग्रेजी अध्यापकों ने आवेदन भी किया था। आवेदन करने वाले अध्यापकों से 12 जून से 18 जून तक पहले राउंड के लिए निबंध लेखन और वीडियो रिकॉर्डिंग मांगी गई थी।

अध्यापकों से उनका अपना अधिकतम दो मिनट का एक वीडियो रिकार्ड मांगा गया था जिसमें आवेदक अध्यापक को यह बताना है कि 'फ्रेंच भाषा सिखाने के इस कार्यक्रम के लिए वह फिट कैसे है?' इसके साथ साथ आवेदक को 250 शब्दों तक अंग्रेजी भाषा में एक लेख लिखकर यह बताना है कि वह हरियाणा के राजकीय स्कूलों में बच्चों को फ्रेंच भाषा शिक्षक क्यों बनना चाहते हैं? इसके लिए 12 जून से 18 जून तक उक्त वीडियो और लेख विभाग की ओर से उपलब्ध कराए गए लिंक पर अपलोड करना था।

वीरवार को जारी पत्र में सहायक निदेशक ने बताया कि जो अध्यापक किसी कारण से पहले राउंड में अपना वीडियो और लेख नहीं भेज पाए उन्हें एक और मौका दिया जाएगा। अब वह अपना वीडियो रिकॉर्ड और लेख 28 जून शाम पांच बजे तक उपलब्ध लिंक के माध्यम से भेज सकते हैं।

आज जुलाई को आरंभ होगा दूसरा राउंड

विभाग की ओर से जारी पत्र के अनुसार एक जुलाई को फ्रेंच सीखने और सिखाने के इच्छुक अध्यापकों के लिए दूसरा राउंड शुरू होगा। सुबह 11 बजे जूम मीटिंग के माध्यम से यह राउंड शुरू होगा। फर्स्ट राउंड में क्वालीफाई हुए अध्यापकों को एक जुलाई को सुबह 10:50 पर दिए गए लिंक पर जुड़ते हुए अपनी एंट्री करवानी होगी। किसी भी प्रकार की देरी स्वीकार्य नहीं होगी और 11:05 पर जूम मीटिंग की एंट्री बंद कर दी जाएगी। दूसरे राउंड के 60 मिनट तक चलने वाले इस सत्र में 60 बहुविकल्प प्रश्न पूछे जाएंगे, जोकि पेडगॉजी, इंग्लिश कम्युनिकेशन स्किल, अंग्रेजी भाषा दक्षता, रीजनिंग व प्रॉब्लम सॉल्विंग जैसे विषय से संबंधित रहेंगे। दूसरे राउंड में क्वालीफाई हुए अध्यापकों को फ्रेंच भाषा सिखाकर चयनित स्कूलों में फ्रेंच भाषा के लिए नियुक्त किया जाएगा। वीरवार को प्रथम राउन्ड मे सफल रहे अध्यापकों की लिस्ट भी जारी की गई।

हरिभूमि सहेली
रोहतक, मंगलवार
1 जुलाई 2025

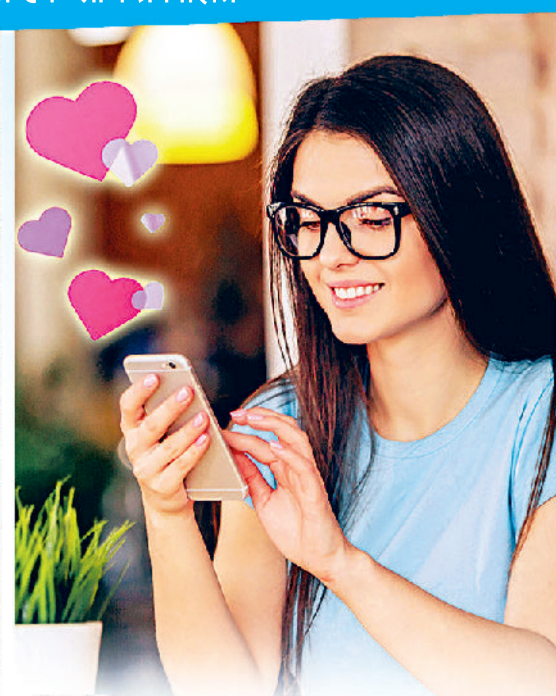

लव स्कैम
इस धोखेबाजी से बचें

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कौन, कब दोस्त बनकर हमारे साथ खेल खेलने लगे, कुछ पता नहीं। इन जालसाजों के जाल में लड़कियां ही नहीं, मैच्योर महिलाएं भी भावनात्मक, शारीरिक और फाइनेंशियल फ्रंट पर शोषण का शिकार हो रही हैं। इसलिए अनजाने लोगों से जुड़ने में सजगता बहुत जरूरी है।

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

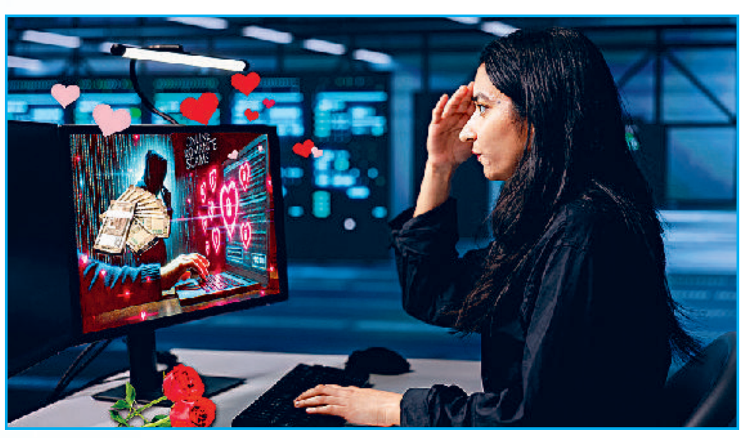

आजकल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर स्नेह भरे जुड़ाव के नाम पर हर एज ग्रुप की महिलाएं छलावे का शिकार हो रही हैं। अनदेखे-अनजाने चेहरों के वादों और दावों की जालसाजी उनके जज्बातों के साथ खिलवाड़ ही नहीं करती, आपराधिक घटनाओं का भी कारण बनती है। सोशल मीडिया में प्रेम जताने, मन भटकाने के नाम पर लव स्कैम या रोमांस स्कैम के रूप में होने वाली धोखेबाजी के मामले खूब सामने आ रहे हैं। इतना ही नहीं फाइनेंशियल स्कैम भी हो रहे हैं। ऐसे में सभी वर्चुअल प्लेटफॉर्म्स पर महिलाओं का सजग रहना जरूरी है।

सोची-समझी चालबाजी: सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर किसी भी तरह के शोषण और धोखाधड़ी का खेल खेलने वाले लोग सोच-समझकर जाल बिछाते हैं। गांवों-कस्बों से लेकर मेट्रो सिटीज तक, बड़ी संख्या में महिलाएं और लड़कियां ऐसी जालसाजी का शिकार भी हो रही हैं। खासकर इमोशनल जुड़ाव की भूल-भुलैया में हर आयु वर्ग की महिलाओं के साथ धोखाधड़ी हो रही है। पिछले कुछ समय चर्चा में आई 'पिग बुचरिंग स्कैम' की स्ट्रेटेजी में महिलाओं के साथ सोची-समझी चालबाजी से जालसाजी की जा रही है। असल में 'पिग बुचरिंग स्कैम' की धोखाधड़ी को समझने से लिए बूचड़खाने का उदाहरण दिया जाता है। जैसे बाड़े में जानवर को देखभाल के साथ रखते हुए स्नेह-संभाल करने के बाद उसका जीवन छीन लिया जाता है, वैसे ही इस तरह ठगी करने वाले पहले विश्वास जीतने का खेल खेलते हैं। धोखा देने से पहले इस जालसाजी में क्लोज फ्रेंडशिप और प्रेम भरे जुड़ाव का पहलू भी शामिल होता है। झूठे प्रेम के नाम पर पूरी प्लानिंग के साथ ऐसी धोखाधड़ी का खेल खेला जाता है। महिला मित्रों के साथ सधे-सहज ढंग से रिश्ते जोड़कर प्रेम के नाम पर संवाद करते हुए धोखाधड़ी के भंवर में फंसाया जाता है। जिसके चलते बहुत-सी स्त्रियां भावनात्मक, शारीरिक और फाइनेंशियल फ्रंट पर शोषण का शिकार बन जाती हैं।

इमोशनल फ्रंट पर धोखा: सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर होने वाली धोखेबाजी के अधिकतर मामलों में सबसे पहले भरोसा जीतने के लिए दोस्ती और प्रेम का ही सहारा लिया जाता है। फिर फाइनेंशियली ठगने के लिए धमाकेदार रिटर्न का वादा करते हुए पैसे इंवेस्ट करवाए जाते हैं या शारीरिक-मानसिक शोषण के लिए निजी बातें और जानकारियां पूछी जाती हैं। सरहदों की दूरियां मिटाकर दुनिया के हर कोने में बसे लोगों को जोड़ने वाली वर्चुअल दुनिया में जालसाजी का यह रंग-ढंग ग्लोबल लेवल पर विस्तार पा रहा है। यही वजह है कि भावनात्मक दिशाहीनता से जुड़े ठगी के ऐसे मामलों में आभासी दुनिया में विशेष सतर्कता की दरकार है। आमतौर पर सोशल मीडिया मंचों पर जाली प्रोफाइल बनाकर भी महिलाओं को प्यार के चंगुल में फंसाया जाता है। कुछ समय पहले दिल्ली के 23 वर्षीय लड़के ने खुद को ब्राजीलियन मॉडल बताकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स बंबल और स्नैपचैट पर 700 लड़कियों से भावनात्मक जुड़ाव बनाकर अपने जाल में फंसाया। उसने 18 से 30 साल की महिलाओं से मित्रता बढ़ाकर निजी तस्वीरें भेजने के लिए मना लिया। तस्वीरें भेजने वाली लड़कियों और महिलाओं को ब्लैकमेल करने के इरादे से खेले गए खेल में उसने तस्वीरों को इंटरनेट पर वायरल करने या डार्क वेब पर बेचने की धमकी देकर पैसे लिए। समझना कठिन नहीं कि ऐसे मामले भी कहीं ना कहीं महिलाओं के भावनात्मक दोहन से ही जुड़े होते हैं। झूठे प्रेम का जाल बुनकर अंजाम दिए जाते हैं। जरूरी है कि महिलाएं व्यावहारिक धरातल पर सोचें। सोशल मीडिया के आभासी संसार में प्यार के भ्रम भरे उलझाऊ संबंधों के घेरे में ना आएं।

अनगिनत खामियाजे: झूठे प्रेम की वर्चुअल धोखाधड़ी असली दुनिया में सब कुछ उजाड़ देती है। इस सोचे-समझे जाल को समय रहते समझ कर इसके जाल में फंसने से पहले संभल जाइए। यह कटु सच है कि मौजूदा दौर में असल दुनिया से लेकर वर्चुअल दुनिया तक, खुद को भावनात्मक रूप से मजबूत रखना जरूरी हो गया है। यह समझना जरूरी है कि प्रेम यूं तलाशने या आंख बंद कर किसी की बातों में आ जाने से नहीं मिलता। यह फरेब तो महिलाओं से बहुत कुछ छीन लेता है। पैसे ऐंठने से लेकर ब्लैकमेलिंग का भय दिखाने तक, धन, सुकून और संबंधों में खटास आने जैसे अनगिनत नुकसान झेलने पड़ते हैं। जालसाजी के ऐसे मामलों में कई बार ब्लैकमेलिंग पैसे ऐंठने तक ही सीमित नहीं रहती। महिलाओं को शारीरिक शोषण और दूसरे लोगों को ठगने के खेल में शामिल होने के लिए भी मजबूर किया जाता है। यह सच है कि ऑनलाइन संसार से बढ़ती कनेक्टिविटी ने युवतियों-किशोरियों के लिए नहीं, बड़ी उम्र की महिलाओं के लिए भी मेलजोल का एक नया संसार खोला है। ऐसे में डिजिटल क्रांति से जुड़ा बदलाव पर्सनल फ्रंट पर पहले से कहीं ज्यादा ठहराव और समझ की मांग करता है। सोशल मीडिया और डेटिंग एप्स की डिजिटल दुनिया ने प्रेमपगे गठजोड़ के नए रंग हमारे सामने रखे हैं। रोमांस और ठगी की भाषा बदल दी है। कुछ लोगों के लिए यह जुड़ाव इरादतन खेला गया खेल होता है। दूर बैठे चेहरे गुमराह करने लगते हैं। हर दिन सामने आते धोखेबाजी के किस्से बताते हैं कि अनजान चेहरों से जज्बाती तौर पर जुड़ने के मामले में सजगता बरतनी आवश्यक है।

ऐसे बचें धोखाधड़ी से

- कभी निजी जीवन की चर्चा ना करें।
- अनजान लोगों के साथ चैटिंग करने से बचें।
- भावनात्मक-पारिवारिक कमजोरियों का जिक्र कभी ना करें।
- तस्वीरें शेयर करते समय अवेयर रहें।
- वर्चुअल फ्रेंड्स से पर्सनली मिलने की जानकारी अपनों को भी दें।
- जालसाजी में फंस जाएं तो फैमिली मेंबर्स को बताने में देरी न करें।
- अपनी या परिजनों की लोकेशन कभी साझा न करें।

पॉजिटिव सोच के साथ करें हर नए दिन की शुरुआत

अगर आप रोज सुबह पॉजिटिव रहें तो आपका हर दिन ऊर्जा से भरपूर रहेगा। हम बता रहे हैं कुछ सरल लेकिन प्रभावशाली उपाय, जो हर सुबह को आशावादी, ऊर्जावान और सार्थक बना सकते हैं।

लाइफस्टाइल
अनीता जैन

हर सुबह हमारे जीवन में एक नया अवसर लेकर आती है- नई ऊर्जा, नई उम्मीद और एक नई दिशा चुनने का संकल्प। जिस प्रकार सूरज हर दिन नई रोशनी के साथ उदित होता है, ठीक वैसे ही हर व्यक्ति को हर सुबह अपने जीवन में सकारात्मकता का प्रकाश भरने का अवसर मिलता है। जीवन की सफलता और मानसिक शांति इस बात पर निर्भर करती है कि हम दिन की शुरुआत किस भाव, सोच और दृष्टिकोण के साथ करते हैं? अगर सुबह की शुरुआत सकारात्मक विचारों, आत्मविश्वास और आभार की भावना के साथ की जाए तो न केवल वह दिन बल्कि जीवन की दिशा भी बदल सकती है।

हर सुबह एक वरदान है: इसमें कोई संदेह नहीं कि हर सुबह हमारे लिए किसी वरदान की तरह होती है। अगर हम इसे मुस्कान, आशा और उद्देश्य के साथ अपनाएं, तो हर दिन सफलता और सुख की ओर पहला कदम बन सकता है। हमारे विचार, हमारी दिनचर्या और हमारी सोच ही अंततः हमारे भविष्य का निर्माण करती है। इसलिए जरूरी है कि हम दिन की शुरुआत सही सोच के साथ करें।

सुबह जल्दी जगें: धार्मिक ग्रंथों में ही नहीं स्वास्थ्य शास्त्रों में भी 'ब्रह्म मुहूर्त' में जागने की महत्ता बताई गई है। सुबह जल्दी उठने से हमें स्वयं के साथ कुछ शांत पल बिताने का अवसर मिलता है। दिन भर की भाग-दौड़ से पहले यह समय आत्मनिरीक्षण और सकारात्मक ऊर्जा को प्राप्त करने का सबसे अच्छा माध्यम है। लेकिन सुबह जल्दी उठकर मोबाइल देखने की बजाय आंख खुलते ही कुछ गहरी सांस लें और ईश्वर को धन्यवाद दें कि उनकी कृपा से आपको एक और दिन मिला है।

सकारात्मक विचारों को दोहराएं: दिन की शुरुआत सकारात्मक विचारों से करें। आप अपने लिए कुछ प्रेरणादायक वाक्य दोहरा सकती हैं जैसे- 'आज का दिन मेरे लिए शुभ है।', 'मैं हर परिस्थिति में शांत और संतुलित रहूंगी।', 'हर चुनौती मुझे और बेहतर बनाएगी।', 'हे ईश्वर! मुझसे कोई गलत काम न हो।' ऐसा आत्म-संवाद मन को नई ऊर्जा और आत्मविश्वास से भर देता है। धीरे-धीरे यह अभ्यास हमारी सोच को सकारात्मक दिशा देने लगता है।

कृतज्ञता का भाव रखें: कई बार हम जो कुछ हमारे पास है, उसकी कद्र नहीं करते और जो नहीं है, उसके लिए दुखी रहते हैं। लेकिन अगर हम हर दिन यह सोचें कि हमारे पास क्या-क्या अच्छा है- जैसे परिवार, स्वास्थ्य, भोजन, घर- तो एक संतोष का भाव उत्पन्न होता है। यह कृतज्ञता जीवन को सकारात्मक दृष्टि से देखने की आदत बनाती है।

करें ध्यान-प्राणायाम

कुछ मिनटों का ध्यान और प्राणायाम हमारी मानसिक स्थिति को बेहतर करता है। यह शरीर को शुद्ध प्राणवायु प्रदान करता है और मन को शांत करता है। जब मन शांत होता है, तो हम परिस्थितियों को अधिक स्पष्टता और सकारात्मकता के साथ देख पाते हैं। मानसिक एकाग्रता बढ़ती है और दिन भर के कार्यों में उत्साह बना रहता है।

सकारात्मक संदेश पढ़ें या सुनें: अखबार, पुस्तक के किसी सकारात्मक आध्यात्मिक विचार से दिन की शुरुआत करने से मन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। सुबह-सुबह किसी भी प्रकार की नकारात्मकता से बचते हुए, कोई प्रेरणादायक लेख, जीवनियों का अंश या धार्मिक ग्रंथ का श्लोक पढ़ना सकारात्मकता को बढ़ाता है। इसी तरह सकारात्मक भक्ति गीत या मंत्र भी मन को ऊर्जा प्रदान करते हैं।

दूसरों को दें शुभकामनाएं: अपने घरवालों को मुस्कराकर 'सुप्रभात' कहें, छोटे से संदेश से दूसरों का दिन भी बेहतर बनाया जा सकता है। जब हम दूसरों को शुभकामनाएं देते हैं या उनके लिए अच्छा सोचते हैं, तो वही ऊर्जा हमारे जीवन में भी लौटती है।

शादी के बाद जब बेटा-बहू रहना चाहें अलग

अगर बेटे की शादी के बाद बहू से आपकी नहीं निभ रही है, घर में कलह का माहौल रहता है तो बेहतर यही होगा कि बेटे-बहू को अलग रहने की इजाजत दे दें। यह दोनों के हित में है।

सलाह
नम्रता नदीम

अमित की शादी हुई तो पत्नी नमिता ने कुछ ही महीने बाद अलग रहने का डिसीजन ले लिया। नमिता को शिकायत थी, सास का बिहेवियर बहुत बुरा रहता है। वह बात-बात पर टोकती हैं। नमिता को अपने जीवन में सास की जरा-सी भी दखलअंदाजी पसंद नहीं थी। एक महीने तो किसी तरह नमिता ने सास के साथ एडजस्ट किया, लेकिन दो महीने के बाद ही वह अमित के साथ अलग किराए का घर लेकर रहने लगी।

बहू को चाहिए आजादी: यह देखा जा रहा है, नई नवेली दुल्हन जो आजाद ख्याल की होती है, उसे अपने जीवन में सास-ससुर का हस्तक्षेप बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होता। वह उनसे अलग रहना चाहती है। यहां यह समझने वाली बात है कि अगर सास-ससुर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हैं, घर में उनका ख्याल रखने के लिए दूसरे सदस्य हैं तो उन्हें अपने बेटे के सुखी दांपत्य जीवन के लिए अलग रहने का निर्णय स्वीकार लेना चाहिए। बेटे की शादी के बाद अगर उसकी पत्नी और पैरेंट्स के बीच खींचतान रहती है, घर में कलह का माहौल रहता है, ऐसे में समझदारी यही है कि वे अलग जाकर रहें। शादी के बाद अगर बहू अलग रहना चाह रही है तो माता-पिता दुखी, परेशान न हों। बेटे के घर से अलग रहने में कोई बुराई नहीं है। इसकी चिंता न करें कि कौन क्या कहेगा?

व्यावहारिक सोच रखें: बेटे-बहू के अलग रहने की बात से कई लोग असहमत हो सकते हैं। उनका तर्क हो सकता है कि बेटे की शादी हम किसलिए करते हैं, ताकि परिवार में सब लोग मिलकर एक-दूसरे के साथ प्यार से रहें। यह उन घरों के लिए तो सही होता है, जहां बहू का मन सास-ससुर के साथ रहने, उनकी सेवा करने और उनके साथ एडजस्टमेंट करने का होता है। लेकिन जिन लड़कियों की सोच सास-ससुर से अलग घर लेकर पति के साथ रहने की होती है, तो इसे स्वीकार कर लेना चाहिए। बहू को सास-ससुर के साथ अगर घर में रहने से तनाव रहता है, बेटे की शादीशुदा जिंदगी पर ही नहीं बल्कि परिवार के बाकी सदस्यों पर भी इसका बुरा असर पड़ रहा है, बेटे-बहू इतना कमाते हैं कि वो आराम से बाहर किराए पर घर लेकर रह सकते हैं तो उन्हें अलग रहने की इजाजत दे देनी चाहिए। इस मामले में व्यावहारिक सोच रखें।

एक-दूसरे को करें सपोर्ट: अलग रहने पर अगर बेटे-बहू खुश हैं तो आपको भी खामोशी से अपनी खुशी की राह तलाश लेनी चाहिए। इसमें दोनों तरफ से एक-दूसरे को सहयोग देने की भावना होनी चाहिए। अपने सुख-दुख बांटें, सुबह-शाम फोन पर बात करें। जब जरूरी हो, एक-दूसरे को इमोशनल सपोर्ट दें। जब भी एक-दूसरे को उनकी जरूरत हो तो साथ जाकर रहें। इससे संबंध हमेशा बने रहेंगे।

मदद लेने में न हिचकें: यह कभी नहीं भूलें कि बेटे और बहू के साथ आपका करीबी रिश्ता है। एक-दूसरे के प्रति अधिकार और कर्तव्य इसमें इनबिल्ट है यानी, माता-पिता के सामने अगर कोई समस्या आती है, तो वे अपने बच्चों से मदद लेने में संकोच न करें और बेटा-बहू को भी अगर माता-पिता के मानसिक या फाइनेंसियल सपोर्ट की जरूरत है तो वे भी उनसे खुल कर कहें। याद रखें, आपने बेटे-बहू को अलग रहने की आजादी दी है, तो इस बदलाव को मन से स्वीकार करें, इसी में सबकी खुशी है।

रह सकते हैं साथ भी: जरूरी नहीं बहू-बेटा अपनी आजादी के लिए कहीं दूसरी जगह जाकर रहें। अगर आपको अपने बेटे से या आपके बेटे को आपसे ज्यादा लगाव है तो आप साथ में रह कर भी बेटे-बहू को पूरी आजादी दे सकते हैं।

बनाए रखें रिश्ता: बेटे के अलग हो जाने के बाद भी उससे रिश्ते बनाकर रखें। बेटे को पूरा सहयोग दें ताकि वह अपनी पत्नी के साथ अच्छी बॉन्डिंग बना सके। बेटा-बहू अलग रहते हैं, इसके बावजूद सभी लोग समय-समय पर एक-दूसरे से मिलते-जुलते रहें।

उमस भरी इस गर्मी में बनी रहेगी ग्लोइंग स्किन

स्किन केयर
चेतना झा

मौसम का हर दौर त्वचा और बालों के लिए अलग तरह की केयर की मांग करता है। बारिश के साथ होने वाली उमस भरी गर्मी के इन दिनों के मौसम में भी अपनी स्किन केयर रूटीन को मौसम के अनुकूल करना चाहिए।

सीटीएम: सीटीएम यानी क्लीनिंग, मॉयश्चराइजिंग एंड टोनिंग, इस मौसम में त्वचा की देखभाल का मूलमंत्र है। ऐसी गर्मी में स्किन की क्लीनिंग के लिए हल्के जैल क्लींजर और जैल बेस्ड ही मॉयश्चराइजर का उपयोग करें। लाइट मॉयश्चराइजर आपके पोर्स को बंद नहीं करेंगे।

एसपीएफ रेंज: इस सीजन में भी घर से बाहर निकलने से पहले सनस्क्रीन लगाना जरूरी है, लेकिन सनस्क्रीन का एसपीएफ कितना हो यह जानना भी जरूरी है। यूरोपियन एकेडमी ऑफ डर्मेटोलॉजी एंड वेनेरोलॉजी और अमेरिकन एकेडमी ऑफ डर्मेटोलॉजी की सलाह के अनुसार सनस्क्रीन एसपीएफ 30 से कम नहीं होना चाहिए।

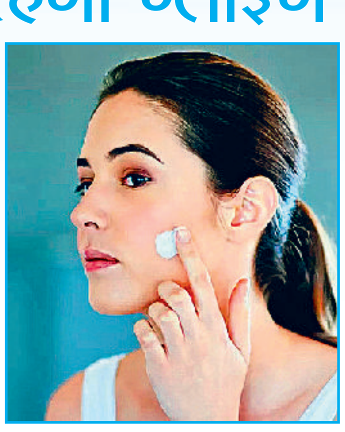

जब निकले पसीना: बाहर अधिक समय रहने, अधिक काम करने या वर्कआउट के बाद पसीना आना स्वाभाविक है। पसीना आने से रोम छिद्रों में तेल और गंदगी जाने की आशंका होती है, इसलिए पसीने के बाद त्वचा की साफ-सफाई का खास ध्यान रखें। इससे रोमछिद्र बंद होने से बचाव होता है। पसीने से भीगी ड्रेस को दुबारा पहनने से पहले साफ जरूर करें।

शावर जरा कम: अधिक देर पानी में रहने से शरीर का नेचुरल ऑयल कम हो जाता है और स्किन में ड्रायनेस की समस्या आ जाती है। हॉट शावर लेने की आदत से समस्या और बढ़ जाती है। इस मौसम में दो बार से अधिक नहीं नहाएं और दस मिनट से अधिक शावर न लें।

इनका भी रखें ध्यान: गर्मियों में अधिक तापमान, पसीने आदि की वजह से रोम छिद्र खुल जाते हैं। बाहर निकलने पर हाथों पर लगी गंदगी, तेल आदि के संपर्क में जब ये खुले रोम छिद्र आते हैं तो एक्ने की समस्या बढ़ जाती है। इसलिए चेहरे की त्वचा के साथ हाथों की सफाई पर भी खास ध्यान दें। एक्ने की समस्या हो तो सैलिसिलिक एसिड युक्त या यूकेलिप्टस बेस्ड क्लींजर का इस्तेमाल करें। हयालूरोनिक एसिड और ग्लिसरीन युक्त मॉयश्चराइजर लगाएं। टोनर लाइट और हाइड्रेटिंग हो। एसपीएफ 50 का सनस्क्रीन धूप में निकलने से करीब 20-30 मिनट पहले चेहरे और शरीर के दूसरे खुले हिस्से में लगाएं।

(डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ. सरोज राय से बातचीत पर आधारित)

ऐसे करें बच्चों की डेंटल केयर

आप अपने बच्चों की हेल्थ का ध्यान रखने में कोई लापरवाही नहीं बरततीं, लेकिन क्या उनके दांतों की देखभाल भी अच्छी तरह से करती हैं? यहां बताई जा रही बातों को फॉलो करें, इससे बच्चों को कोई डेंटल प्रॉब्लम नहीं होगी।

ओरल हेल्थ
संध्या रानी

अधिकतर बच्चों को चॉकलेट, टॉफी, स्वीट्स, कुकीज खाना और कोल्ड ड्रिंक पीना बेहद पसंद होता है। कई पैरेंट्स अपने बच्चों से किसी बात को मनवाने के लिए चॉकलेट या टॉफी देने का लालच बार-बार देते हैं। मेहमान या रिलेटिव्स भी जब घर आते हैं तो ज्यादातर बच्चों के लिए टॉफी, चॉकलेट, केक, कोल्ड ड्रिंक ही लेकर आते हैं। इससे बच्चों में मीठा खाने की लत लग जाती है। ज्यादा मीठा खाने से उनके दांतों में इंफेक्शन हो जाता है, उसमें दर्द रहने लगता है, गम्स में सूजन या दांतों में सड़न भी हो सकती है।

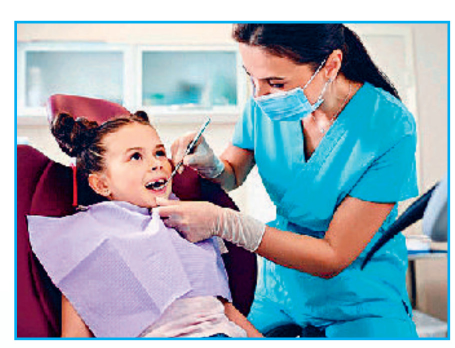

दांतों में सड़न के कारण: चॉकलेट, स्वीट्स, कुकीज, टॉफी और कोल्ड ड्रिंक में शुगर की मात्रा अधिक होने के कारण ये सब बच्चों के लिए नुकसानदायक होते हैं। चॉकलेट चिपचिपी होने की वजह से दांतों में फंस जाती है। इससे दांतों में बैक्टीरिया पैदा हो जाते हैं, क्योंकि आमतौर पर बच्चे चॉकलेट खाने और कोल्ड ड्रिंक पीने के बाद पानी से कुल्ला नहीं करते हैं। इससे दांतों में कैविटी और सड़न भी पैदा होने लगती है। चॉकलेट अधिक खाने से दांत की ऊपरी लेयर सॉफ्ट हो जाती है, जिससे कैविटी बनने की संभावना बढ़ जाती है। इतना ही नहीं चॉकलेट अधिक खाने से दांत पीले हो जाते हैं और प्लॉक बन जाता है। कोल्ड ड्रिंक में एसिड होने के कारण दांतों की जड़ों को भी बहुत नुकसान पहुंचता है। यह दांत में कैल्शियम की मात्रा कम कर देता है, जिससे दांतों की सड़न और मसूड़ों में सूजन होने की संभावना बढ़ जाती है। मसूड़े में सूजन की वजह से बैक्टीरिया बढ़ जाते हैं और दांतों में कीड़े भी लग सकते हैं। इससे दूसरे दांतों में भी कीड़ा लगने का खतरा बढ़ जाता है। जो नए दांत निकलने वाले होते हैं, उस पर भी बुरा प्रभाव पड़ सकता है। इस वजह से नए दांत आड़े-तिरछे निकलते हैं। इसके अलावा अधिक चॉकलेट खाने से बच्चों में चिड़चिड़ापन और नींद की समस्या भी उत्पन्न हो सकती है।

कराएं प्रॉपर डेंटल चेकअप: अगर बच्चे के दांतों में लंबे समय तक कोई समस्या हो तो जल्द से जल्द दांतों के डॉक्टर के पास जाकर चेकअप और ट्रीटमेंट करवाना चाहिए। समय पर इलाज नहीं किया जाए तो दांतों से जुड़ी बीमारी या सड़न उसके अंदरूनी हिस्से तक पहुंच सकती है। इससे दांत पूरी तरह खराब हो सकते हैं, जिन्हें निकलवाना भी पड़ सकता है।

पैरेंट्स सावधानी बरतें: आठ-दस साल से कम उम्र के बच्चे नासमझ होते हैं। उन्हें अच्छे और बुरे का ज्ञान नहीं होता है, तो स्वाभाविक है कि उनके लिए माता-पिता को ही विशेष ध्यान रखना होगा। बच्चों को चॉकलेट खाना पसंद होता है, लेकिन इसे ज्यादा खाना कितना हार्मफुल हो सकता है, इसकी जानकारी उन्हें नहीं होती है। इस बारे में पैरेंट्स को उन्हें समझाना चाहिए। बच्चों को प्यार से समझाएं कि ज्यादा मीठा और चॉकलेट खाने से आपके दांत खराब हो जाएंगे तो आपको डॉक्टर से इंजेक्शन लगवाना होगा। आप खाना भी नहीं खा पाएंगे। अगर खाना ठीक तरह से नहीं खाएंगे तो मजबूत कैसे बनेंगे? ऐसा नहीं है कि बच्चों को चॉकलेट और मीठी चीजें बिल्कुल देना ही बंद कर दें। लेकिन मीठा खाने के बाद उनकी दांतों की साफ-सफाई पर भी जरूर ध्यान दें। अपने बच्चे को मिल्क चॉकलेट की जगह डार्क चॉकलेट दें, क्योंकि इसमें शुगर की मात्रा कम होती है। इसके साथ ही बच्चों को दिन में दो बार ब्रश जरूर कराएं। एक बार सुबह और दूसरी बार रात में खाने के बाद।

(डेंटिस्ट डॉक्टर अमृत कश्यप से बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

अजय यादव ने पुत्र के जन्मदिन पर लगाए पौधे

नांगल चौधरी। नेहरूनगर निवासी उद्योग विस्तारक (निरीक्षक) अजय यादव ने पुत्र दक्ष यादव का 11वां जन्मदिन 11 पौधे लगाकर मनाया। साथ ही उन्होंने युवाओं को 111 पौधे वितरित करके हरियाली बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। तर्क दिया कि इससे पर्यावरण की शुद्धता बढ़ाकर विभिन्न बीमारियों पर अंकुश लगाना संभव हो पाएगा। उन्होंने कहा कि जीवित रहने के लिए ऑक्सीजन व वनस्पतियों की आवश्यकता होती है। जोकि पौधों से निःशुल्क मिलती है, बावजूद लोग पौधों की सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं। उन्होंने युवाओं को परिवार की प्रत्येक खुशी के अवसर पर पौधा लगाने का संदेश दिया।

स्वच्छ भारत ही वास्तव में स्वस्थ भारत की नींव: मनोज कुमार

महेंद्रगढ़ में स्वच्छता अभियान बना जन आंदोलन, नागरिकों में उत्साह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

महेंद्रगढ़ जिले में चल रहा सघन स्वच्छता अभियान 2025 अब एक व्यापक सामुदायिक आंदोलन का रूप ले चुका है। इस अभियान के तहत नागरिक अपने आस पड़ोस को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। यह अभियान अब केवल सरकारी पहल तक सीमित न रहकर एक नई ऊर्जा और उत्साह के साथ आगे बढ़ रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को गांव नावदी, जासावास, कमानिया, फैजलीपुर, दनचोली, बास, सागरपुर व गागड़वास के निवासियों ने इस प्रयास में पूरी सक्रियता दिखाई।

जिला ग्रामीण विकास एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार ने इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा साझा की। उन्होंने बताया कि इस महत्वाकांक्षी अभियान के तहत जिले के प्रत्येक खंड में एक विशेष गांव का चयन कर प्रतिदिन सुबह नौ बजे से 11 बजे तक यह स्वच्छता अभियान चलाया जाता है। कुमार ने सभी जिलेवासियों से अपील की कि वे इस महत्वपूर्ण पहल में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें, ताकि इसे एक अद्वितीय सफलता दिलाई जा सके। स्वच्छता के दूरगामी प्रभावों पर जोर देते हुए कुमार ने कहा कि यह केवल बीमारियों की रोकथाम का साधन नहीं है, बल्कि यह व्यक्तिगत और सार्वजनिक स्वास्थ्य बजट को भी बेहतर बनाए रखने में सहायक है। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि एक स्वच्छ भारत ही वास्तव में स्वस्थ भारत की नींव रखता है।

नारनौल। गांवों में स्वच्छता अभियान चलाते नागरिक। फोटो: हरिभूमि

आगामी कई सप्ताह तक जारी

यह अभियान हरियाणा के मुख्यमंत्री के प्रेरणादायी मार्गदर्शन में लागू किया जा रहा है, जो राज्य सरकार के स्वच्छता के प्रति अटूट संकल्प को दर्शाता है। उपायुक्त डॉ. विवेक भारती के नेतृत्व में महेंद्रगढ़ जिला प्रशासन इस अभियान को एक ऐसे सामुदायिक कार्यक्रम में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। जहां प्रत्येक नागरिक की भागीदारी महत्वपूर्ण हो। महेंद्रगढ़ जिले में यह विशेष अभियान आने वाले कई हफ्तों तक जारी रहेगा। इसका मुख्य उद्देश्य जिले को स्वच्छता और उत्तम स्वास्थ्य का पर्याय बनाना है। प्रशासन का दृढ़ विश्वास है कि यह महत्वाकांक्षी लक्ष्य केवल समेकित जनभागीदारी और सामूहिक प्रयासों से ही प्राप्त किया जा सकता है।

टीचर ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। दो दिवसीय टीचर ओरिएंटेशन कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक एवं शिक्षिकाएं।

श्रीकृष्णा स्कूल महेंद्रगढ़ में आयोजित दो दिवसीय टीचर ओरिएंटेशन कार्यक्रम का सोमवार का समापन हो गया है। कार्यक्रम में मुख्यातिथि डॉ. सुमेर सिंह यादव, विशिष्ट अतिथि डॉ. बीरसिंह यादव मुख्य रूप से उपस्थि रहे। जबकि अध्यक्षता सीईओ कर्मवीर राव व प्राचार्य रवि प्रकाश द्वारा की गई। प्राचार्य रवि प्रकाश ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्कूल के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को प्रोत्साहित करना था ताकि वे भी निरंतर विद्यालय एवं विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए नया प्रयास करें। दो दिवसीय कार्यक्रम में शिक्षक व शिक्षिकाओं को शिक्षा का महत्व एवं पठन पाठन, शिक्षा की भूमिका एवं प्रभाव आदि के बारे में प्रेरित किया। डॉ. सुमेर सिंह यादव ने कहा कि शिक्षकों को मेहनत व प्रयास करके विद्यार्थियों की बेहतरीन के लिए अच्छे कदम उठाने चाहिए तथा शिक्षक निरंतर अपने स्कूल में कुछ न कुछ स्कूल व विद्यार्थियों की शिक्षण क्षमता एवं मूल्यों को ध्यान में रखते हुए नया प्रयास करें। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण से शिक्षकों की क्षमता में वृद्धि होती है और इसका सकारात्मक असर विद्यार्थियों की शिक्षा पर पड़ता है।

नांगल चौधरी। गांव के पार्क में पौधरोपण करते कनिष्ठ अभियंता जितेंद्र डांगी व अन्य युवा।

प्रकृति की सुंदरता व सुरक्षा पौधारोपण करने से संभव

नांगल चौधरी। बिजली निगम के कनिष्ठ अभियंता जितेंद्र डांगी की अगुवाई में युवाओं ने पौधारोपण अभियान चलाया। इस दौरान पुराने लगे हुए पौधों में खोदी लगाकर दवाई डाली, ताकि ग्रोथ को रफ्तार मिल सके। उन्होंने युवाओं को नियमित रूप से सिंचाई करने तथा देखभाल की जिम्मेवारी सौंपी। उन्होंने कहा कि पौधे ही प्रकृति की सुंदरता व जीव जंतुओं का आहार होते हैं। पर्यावरण की जहरीली गैसों को ग्रहण करके प्रकृति को शुद्ध वायु प्रदान करते हैं, जिस पर मनुष्य का जीवन निर्भर है। बावजूद लोग हरियाली की सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं।

जिले में आयुष्मान भारत व वंदन योजना पंजीकरण शिविर लगाया

- वंदन योजना उन बुजुर्गों के लिए है, जो वर्षों तक समाज को सेवा देते रहे और अब उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार देती है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

भाजपा जिला महेंद्रगढ़ द्वारा 11 साल संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार जिले के छह स्थानों पर आयुष्मान भारत वय वंदन योजना के पंजीकरण शिविर आयोजित किए गए। इस योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों को मुफ्त स्वास्थ्य बीमा योजना से जोड़ा जा रहा है। शिविरों में बड़ी संख्या में पात्र नागरिकों ने भाग लिया और मौके पर ही पंजीकरण करवाया। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव ने अटेली क्षेत्र के गांव सराय बहादुर नगर में शिविर का शुभांरभ करते हुए बताया कि केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई यह योजना समाज के वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके लिए वह देश के प्रधानमंत्री, प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडोली का आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने बताया कि पार्टी कार्यकर्ता हर पात्र व्यक्ति तक इस योजना का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वहीं सोमवार को अटेली विधानसभा के छह सराय बहादुर नगर, चंदपुरा, कांटी, ककराला रसूलपुर, रामबास कनीना में यह शिविर लगाया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 29 अक्टूबर 2024 को 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को शामिल करने के लिए आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के विस्तार की घोषणा की। इस विस्तार के तहत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान वय वंदना कार्ड मिल रहा है, जो उन्हें स्वास्थ्य सेवा लाभ प्राप्त करने में मदद करेगा।

मंडी अटेली। आयुष्मान भारत वय वंदन योजना पंजीकरण जानकारी लेते जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव। फोटो: हरिभूमि

महेंद्रगढ़। प्रशिक्षण सत्र के दौरान शिक्षकों के साथ मार्गदर्शन देते हुए डॉ. राज सांगवान।

बीआर स्कूल में दो दिवसीय सीबीएसई प्रशिक्षण का सफल समापन

महेंद्रगढ़। गांव सेहलंग स्थित बीआर आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित दो दिवसीय सीबीएसई मान्यता प्राप्त आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह प्रशिक्षण अनुभवात्मक अधिगम विषय पर आधारित था, जिसमें विद्यालय के समस्त शिक्षकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का संचालन प्रसिद्ध शिक्षाविद्, शोधकर्ता और सीबीएसई प्रमाणित प्रशिक्षक डॉ. राज सांगवान द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के दूसरे दिन डॉ. सांगवान ने अधिगम पिरामिड, कोल्ब का अनुभव आधारित अधिगम सिद्धांत, प्रभावशाली पाठ योजना का निर्माण, कक्षा-कक्ष में गतिविधियों के माध्यम से प्रभावी शिक्षण और करके सीखने की विधियों पर शिक्षकों को विस्तार से समझाया। गांव सेहलंग स्थित बीआर आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित दो दिवसीय सीबीएसई मान्यता प्राप्त आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रहकर विद्यार्थियों के वास्तविक अनुभव से जुड़ी होनी चाहिए। कक्षा में गतिविधियों और संवाद के माध्यम से शिक्षक विद्यार्थियों में रुचि जगा सकते हैं और अधिगम को स्थायी बना सकते हैं। प्रशिक्षण का संचालन प्रसिद्ध शिक्षाविद्, शोधकर्ता और सीबीएसई प्रमाणित प्रशिक्षक डॉ. राज सांगवान द्वारा किया गया।

बाल महोत्सव में आरपीएस स्कूल बना ओवरआल स्टेट चैंपियन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा आयोजित बाल महोत्सव में राज्य स्तर पर आरपीएस स्कूल महेंद्रगढ़ के बच्चों ने सराहनीय प्रदर्शन करते हुए ओवरआल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया है। विभिन्न आयु वर्गों के 9 इवेंट्स में प्रथम तथा 4 इवेंट्स द्वितीय और 4 इवेंट्स में तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय के साथ-साथ जिले का रोशन किया है। सभी विजेताओं को आरपीएस ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजी. मनीष राव, डिप्टी सीईओ कुणाल राव व प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसके अलावा जिलास्तर पर लगातार 17 वीं बार ओवरआल ट्राफी आरपीएस के नाम रही। सभी विजेता बच्चों को करनाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में पुरस्कार व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। इसी का परिणाम है कि ग्रुप के बच्चों ने शिक्षा के साथ-साथ कला, संगीत प्रतियोगिताओं में भागीदारी दर्ज करते हुए नई बुलंदियां हासिल की है। पइस मौके पर ईश्वर वेदी, ईश्वर सैनी, इंद्रजीत, कौशल, संजय सैनी, मोनिका भारद्वाज, गोविंद कुमार, मनीष कुमार, मोनिका, मनोज जांगड़ा, प्रदीप कुमार, ज्योति, विकास, हेमंत, परमिंद्र, अंजू, उपप्राचार्य दिनेश कुमार, डीन एलएन गौड़, पवन तिवारी आदि रहे।

महेंद्रगढ़। बाल महोत्सव पर सराहनीय प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी।

प्रतियोगिता के विजेताओं को किया प्रेरित

प्रचार्य डॉ. किशोर तिवारी व संगीत एचओडी राजसिंह इंदोरा ने बताया कि ग्रुप प्रथम के सोलो डांस में दृष्टि कुमारी ने प्रथम स्थान, ग्रुप 4 के सोलो डांस में कशिश ने प्रथम स्थान, ग्रुप प्रथम से अभय सिंह ने फैंसी ड्रेस में प्रथम स्थान, ग्रुप प्रथम के ग्रुप डांस में दृष्टि कुमारी और उसकी टीम ने प्रथम, ग्रुप 3 में वंशिका ने फन गेम लड़कियों में प्रथम स्थान, ग्रुप 4 में कशिश ने थाली पूजन कलश डेकोरेशन में प्रथम स्थान, ग्रुप द्वितीयके पोस्टर मेकिंग में प्रांशु यादव ने प्रथम, ग्रुप 3 के स्केचिंग आन द स्पॉट में जतिन ने प्रथम, ग्रुप 4 के स्केचिंग आन द स्पॉट में ज्योति ने प्रथम, ग्रुप द्वितीय में बेस्ट ड्रामेबाज में आर्य ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

रोडवेज इंस्पेक्टर किरोड़ीमल व स्टेनो राजेश सेवानिवृत्त

नारनौल। हरियाणा रोडवेज में कार्यरत इंस्पेक्टर किरोड़ीमल व स्टेनो राजेश सोमवार को सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर हरियाणा रोडवेज डिपो प्रधान हंसराज यादव ने दोनों साथ कर्मचारियों का फूलमाला पहनाकर सम्मान किया। उन्होंने बताया कि हरियाणा रोडवेज परिचालक के पद पर भर्ती हुए थे। इसके प्रमोशन हुआ और सब इंस्पेक्टर बने। इसके बाद मई 2025 इंस्पेक्टर बने। इन्होंने महाप्रबंधक फ्लाइंग में भी काम किया। आज स्टेशन सुपराइजर पद से विदाई हुए है। विदाई समारोह में मुख्य अतिथि महाप्रबंधक मनोज शर्मा थे। इस अवसर पर उन्होंने अपील की कि सभी अपने घरों पर पौधे अवश्य लगाए, ताकि वातावरण सही रहे। इस मौके पर ब्रह्मप्रकाश, सतीश कुमार, नरेश कुमार आदि रहे।

शोकसभा में श्रद्धाजलि अर्पित की

- मनोज सैनी व मास्टर मांगेराम तिवाड़ी के प्रति शोक सभा में संवेदनाएं प्रकट की गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

रामलीला परिषद् प्रांगण में परिषद् के संरक्षक घीसा राम सैनी के पुत्र मनोज सैनी एवं प्रसिद्ध शिक्षाविद् मास्टर मांगेराम तिवाड़ी को एक शोक सभा कर नगर के गणमान्य जनों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। रामलीला परिषद् परिवार की ओर से आयोजित शोक सभा में महेंद्रगढ़ भिवानी के सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह के पुत्र मोहित चौधरी, परिषद् के पूर्व प्रधान चेतन प्रकाश गौड़, व्यापार मंडल के प्रधान सुरेन्द्र बंटी, याहा हरियाणा के निदेशक अनिल कौशिक, रोटरी क्लब के प्रधान मुकेश मेहता, सूंडाराम ट्रस्ट के अध्यक्ष संदीप मालडा, सुशील बिढाट, ललित तंवर ने स्वर्गीय मनोज सैनी एवं मास्टर मांगेराम तिवाड़ी को समाज की अपूर्णीय क्षति बताते हुए कहा कि स्वर्गीय मनोज सैनी ने युवा अवस्था में समाज के सभी मापदंड स्थापित किए। वहीं शिक्षाविद् मास्टर मांगेराम तिवाड़ी ने क्षेत्र में शिक्षा की लौ जगाने में सकारात्मक पहल की।

महेंद्रगढ़। स्वर्गीय मनोज सैनी व मास्टर मांगेराम तिवाड़ी के प्रति संवेदना प्रकट करते सांसद पुत्र मोहित चौधरी व अन्य। फोटो: हरिभूमि

शोक सभा में ये रहे मौजूद

इस अवसर पर शोक सभा में पूर्व प्रधान रमेश कौशिक, पूर्व प्रधान एमएल शर्मा, मुख्याध्यापक दिनेश दत्त, ओमप्रकाश टांक, ओमप्रकाश सैनी, सोहन टेनी, अशोक जांगड़ा, दिनेश मेहता, विकास तिवाड़ी, आनंद शर्मा, सूर्यप्रकाश कौशिक, कमल सैनी, आशुतोष बोहरा, प्रवीण गौड़, पूर्णमल तिवाड़ी, महावीर तिवाड़ी, मोनी, सुरेश शास्त्री, चिमन सैनी, कृष्ण चेयरमैन, अनिल तिवाड़ी आदि रहे।

रिटायर्ड बीपीडीओ की स्मृति में शोकसभा

- अपने कार्यों की बदौलत सदैव दिलों में जिंदा रहेंगे बीडीपीओ रामपत यादव: पूर्व विधायक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

रिटायर्ड बीडीपीओ रामपत यादव की स्मृति में उनके पैतृक गांव खेड़ी में शोकसभा का आयोजन किया गया। शोकसभा में बुजुर्ग, समाजसेवी, शिक्षाविदों, शहीदों परिवारों, प्रकृति प्रेमी मेधावी विद्यार्थियों, विकलांग, जरूरतमंद लोगों के अलावा सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेने वाले सैकड़ों लोगों को सम्मानित किया गया। शोकसभा में पूर्व विधायक सीताराम यादव मुख्य अतिथि तथा यूपी से आए पदमश्री अवार्ड से सम्मानित मास्टर उमाशंकर पांडे, भिवाड़ी से इंडस्ट्रियल एरिया के प्रधान सतेंद्र चौहान, ढ़ाणा के पूर्व सरपंच हीरालाल, पूर्व जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. अजीत सिंह यादव, ठाकुर अतरलाल आदि विशेष रूप से मौजूद रहे। लोक कलाकार रामफल खोश्या व आरती जांगड़ा ने दिवंगत बीडीपीओ के कार्य को भजनों के माध्यम से याद किया। पूर्व विधायक सीताराम यादव ने कहा दिवंगत रिटायर्ड बीडीपीओ रामपत यादव ने समाज में रचनात्मक कार्य कर उल्लेखनीय योगदान दिया और वह उन कार्यों की बदौलत सदैव हमारे दिलों में जिंदा रहेंगे। राजस्थान के बार्डर पर स्थित गांव हरियाणा के रिमोट एरिया में स्थित खेड़ी में जन्म लेकर अलवर शहर में उच्च शिक्षा हासिल कर राष्ट्र निर्माण में विशेष कार्य किये। उन्होंने बतौर बीडीपीओ गांवों के विकास के लिए सरकार की योजनाओं को धरातल पर पहुंचा कर विकास करवाया।

मंडी अटेली। गांव खेड़ी में शोकसभा के बाद सामाजिक कार्य करने वालों को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर दिवंगत बीडीपीओ के पुत्र व यूपी चित्रकूट के मंडल कमिश्नर आईएएस अजीत यादव, डीपीई अमर सिंह, देवेंद्र यादव, विजय सिंह सूबेदार सुरेंद्र सिंह ने शोकसभा में आने वालों का अभिनंदन किया तथा विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया। समारोह में डीसएपी भानीसहाय यादव, कैप्टन नित्यानंद यादव, सरपंच सत्यनारायण यादव, बिहाली से अमर सिंह नंबरदार, समाजसेवी तेजप्रकाश, सीताराम सरपंच, बिल्लू यादव, विक्रम सरपंच, रामपत रेंजर, बाबूलाल सरपंच सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

नेशनल थैलेसीमिया सेमिनार में की थी भागेदारी

जागरूकता पर टिंकू प्रधान हुए सममानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

रोहतक में हाल ही में आयोजित नेशनल थैलेसीमिया सेमिनार में थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारी के खिलाफ जागरूकता फैलाने व सेवा करने वाले देशभर के युवाओं को सम्मानित किया गया। इस सेमिनार का मुख्य उद्देश्य थैलेसीमिया पर अंकुश लगाना और इसके प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि नायब सरकार थैलेसीमिया जैसी बीमारियों को नियंत्रित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने देश और प्रदेश की उन अनेक संस्थाओं की भी सराहना की, जो इस दिशा में सामाजिक हित के लिए उत्कृष्ट कार्य कर रही है। युवा साथी ग्रुप हरियाणा व उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा से टिंकू प्रधान, पीयूष, मोहित, सुप्रिया, योगिता व किरण ने इस महत्वपूर्ण सेमिनार में भाग लिया। टिंकू प्रधान ने बताया कि इस सेमिनार में देश के 12 राज्यों के 83 गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और थैलेसीमिया जैसी गंभीर आनुवंशिक बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाने का सराहनीय कार्य किया। सेमिनार में बीमारी की रोकथाम और उपचार के उपायों पर गहन चर्चा हुई। जिससे भविष्य में उपचार की दिशा में निश्चित रूप से कारगर परिणाम मिलेंगे। इस आयोजन में 300 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। छात्रों की ओर से प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रदर्शनी व जन जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से थैलेसीमिया के विभिन्न पहलुओं को सफलतापूर्वक उजागर किया गया।

नारनौल। टिंकू प्रधान को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

मरीजों व परिजनों

थैलेसीमिया से पीड़ित मरीजों व उनके परिजनों ने भी मंच से अपने अनुभव साझा किए। जिससे इस रोग की सामाजिक और मानसिक चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया। यह आयोजन इस बात का प्रमाण है कि जब समाज, चिकित्सा क्षेत्र और प्रशासन एकजुट होकर प्रयास करते है, तो किसी भी चुनौती के विरुद्ध एक प्रभावी जन आंदोलन खड़ा किया जा सकता है। संस्थाओं का उत्साह बढ़ाने के लिए सेमिनार में पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर, सीएमओ रोहतक रमेश आर्य, प्रमुख समाजसेवी राजेश जैन, महामंडलेश्वर कपिल पुरी, बाबा परमानंद सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

किसी भी योजना को बेहतर बनाने के लिए मेहनत जरूरी: राहुल मोदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

ब्राह्मण सभा व व्हाई वेस्ट वेडनस-डे फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में कचरा मुक्त स्वच्छ भारत अभियान को लेकर सोमवार को ब्रह्मगढ़ परिसर में री-सायकल मेले का आयोजन सभा के प्रधान चंद्रशेखर गौतम की अध्यक्षता में किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि एडीसी व डीएमसी राहुल मोदी ने ने कहा कि किसी भी कार्य योजना को बेहतर बनाने के लिए उस कार्य को अपने रोजमर्रा के व्यवहार में लाना होगा। फाउंडेशन की ओर से ई-वेस्ट, प्लास्टिक, कागज का कचरा को लेकर री-सायकल करके जो उत्पाद बनाकर आमजन के बेहतर स्वास्थ्य के लिए दिए जा रहे वे सभी प्रशंसनीय है।उन्होंने कहा कि इनके साथ मिलकर बेहतर कार्य योजना बनाकर कार्य करेंगे। उन्होंने कार्यशाला में लगे उत्पादों के बारे में डा. रूबी मखीजा से जानकारी ली। मुख्य वक्ता डा. रूबी मखीजा ने ई-वेस्ट, प्लास्टिक, कागज का कचरा को लेकर री-सायकल किए हुए कोपियर पेपर, नोटबुक, बैग, पेंसिल विस्तार से प्रबंधन, कचरा कलेक्शन व बनाने की कार्यप्रणाली की जानकारी दी।

रेवाड़ी। मेले में वेस्ट से बने आइटम देखते एडीसी व अन्य। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में महासचिव जय कुमार कौशिक, कार्यकारिणी सदस्यगण भूपेंद्र भारद्वाज, जितेन्द्र तिवारी, सुरेश शर्मा सुभाष शर्मा, सुरेंद्र शर्मा, प्रकाश चन्द्र भारद्वाज, दिनेश वशिष्ठ, सहप्रबंधक सुरेश शर्मा व दीपक शर्मा संगवाड़ी, महिला प्रधान सरोज भारद्वाज, सोमदत्त शर्मा, दलीप शास्त्री, सतीश मस्तान, सतीश गौड़, इन्द्रपाल शर्मा, भानुप्रताप शर्मा, विरेन्द्र कुमार अग्रवाल, नवीन शर्मा, राजेश शर्मा, हर्षित शर्मा व सतीश भारद्वाज सहित अनेक संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

श्रीश्याम बाबा के जागरण में जमकर झूमे भक्त

नारनौल। श्रीश्याम अरदास मंडल के तत्वावधान में सैन चौक के पास डॉ. भूपेंद्र के निवास स्थान पर श्रीश्याम बाबा का जागरण किया गया। सर्वप्रथम गगन शर्मा ने मुख्य यजमान राजेंद्र वर्मा व उनकी पत्नी से परिवार सहित बाबा की अखंड ज्योति प्रज्वलित करवाई। गौरव म्यूजिक ग्रुप से सुनील कुमार ने गणेश वंदना कर जागरण का शुभारंभ किया। इसके बाद गायक मुरारी शर्मा ने घनश्याम तेरी बंसी पागल कर जाती है, राजेंद्र सैनी ने अनोखी थारी झांकी, दीपक दीवान ने करुणामई कृपामय मेरी दयामई राधा, महेश मस्ताना ने कब आओंगे मेरे सवारियां, संजय गोयल ने किस्मत वालों को मिलता है श्याम तेरा दरबार, शिवा सिंघल ने मांगा है मैने श्याम से वरदान एक ही आदि भजनों से बाबा का गुणगान किया। इस मौके पर काशीराम शर्मा, योगेंद्र शर्मा, भीसंबर, सतीश वर्मा, दयानंद वर्मा, नरेंद्र कुमार, राजीव कुमार, अशोक, भूपेंद्र, निधि, इंद्रा, विनोद राव आदि मौजूद रहे।

श्री गौड़ ब्राह्मण सभा कॉलेजियम चुनावः नामांकन के अंतिम दिन तक 87 वार्डों के लिए 132 आवेदन दाखिल

49 वार्डों से केवल एक एक आवेदन, 38 वार्डों में चुनाव की संभावना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

श्री गौड़ ब्राह्मण सभा के कॉलेजियम चुनाव में नामांकन के तीसरे दिन विभिन्न वार्डों से 44 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए। इससे पूर्व 28 जून को 51 व 29 जून को 37 आवेदन दाखिल हुए थे। मुख्य चुनाव अधिकारी मनीष वशिष्ठ एडवोकेट ने बताया कि 13 जुलाई को श्री गौड़ ब्राह्मण सभा के 87 कॉलेजियम सदस्यों के चुनाव होने हैं।

इस कड़ी में 28 जून से नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ हुई थी, जो सोमवार सायं चार बजे तक चली।

इन तीन दिनों में 87 कॉलेजियम वार्डों से 132 आदेदन प्राप्त हुए है। नामांकन के अवसर पर मुख्य चुनाव अधिकारी के साथ सहायक चुनाव अधिकारी संजय कौशिक, धर्मेन्द्र शर्मा व नरेश जोशी भी उपस्थित रहे। कहा की सभी तैयारी कर ली गई है।

नारनौल। कॉलिजियम चुनाव के लिए नामांकन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

तीन जुलाई को वापस लिए जा सकते हैं नाम

कनीष वशिष्ठ ने बताया कि एक जुलाई को आवेदन पत्रों की जांच की जाएगी। इसके बाद दो व तीन जुलाई को नाम वापस लिए जा सकते है। उन्होंने बताया कि नामांकन वापसी के बाद, जिन वार्डों में एक से अधिक प्रत्याशी रहेंगे, उनका चुनाव 13 जुलाई को प्रातः नौ बजे से सायं चार बजे तक होगा।

इन्होंने किया नामांकन

मुख्य चुनाव अधिकारी वशिष्ठ ने बताया कि वार्ड नम्बर एक से भूपसिंह शर्मा, दो से प्रवीण कुमार व मनोज शर्मा, तीन से लक्ष्मीनारायण, चार से रमेश कुमार, पांच से महेन्द्र, साधुराम व गोपाल, छह से कृष्ण कुमार, सात पंकज शर्मा, आठ से सतीश महता, नौ तेजभान महता व देशराज, 10 से महेश प्रकाश, 11 से देवेन्द्र शर्मा व हंसराज महता, 12 से अशोक भारद्वाज, 13 से सीताराम, 14 से सत्यनारायण, 15 से हेमन्त कुमार, 16 से राजेन्द्र प्रसाद, 17 से हनुमान प्रसाद, 18 से शिव कुमार, 19 से टीकाराम, 20 से रविदत्त, 21 से वेदप्रकाश व भवनी शंकर, 22 से नरेन्द्र झिमरिया व जनार्दन मिश्रा, 23 से रमेश चन्द्र, 24 से सुरेश चन्द व सुरेन्द्र शर्मा, 25 से ललित कुमार, 26 से सीताराम, 27 से सतीश चन्द, 28 से श्योनारायण, 29 से मदनलाल, 30 से नवीन कुमार, 31 से कैलाश शर्मा, 32 से सत्यवीर शर्मा, 33 से प्रवीण शर्मा, 34 रामसज्जन, 35 से अशोक कौशिक, 36 से प्रवीण वशिष्ठ, 37 से रामानन्द, 38 से विनोद कौशिक, 39 अरविन्द कौशिक, 40 से वेदप्रकाश, 41 से राकेश कुमार, 42 कुलदीप भारद्वाज, 43 से नरेन्द्र भारद्वाज, 44 से विरेन्द्र कुमार, 45 से इन्द्रलाल व विनोद कुमार, 46 से सुशील शर्मा, 47 से सुकेश दीवान व भीमसेन, 48 से लक्ष्मीकांत व आनन्द शर्मा, 49 से जयप्रकाश मिश्रा व अनिल शर्मा, 50 से महेश कुमार व भवानी दत्त, 51 से कृष्ण भारद्वाज व विजय कुमार, 52 से महेश दीक्षित व मनमोहन दीक्षित, 53 से मुकेश भारद्वाज, 54 हेमन्त कुमार व अशोक कुमार, 55 से कृष्ण कुमार, 56 से श्रवण कुमार व विपिन, 57 से कैलाश शर्मा, 58 से किशनलाल व नवीन कुमार, 59 से राजेश कुमार, 60 से अनुपम गौड़ व हेमन्त कुमार, 61 से देवेन्द्र कुमार, 62 से देवदत्त शास्त्री व सुरेन्द्र प्रसाद, 63 से गौरीशंकर, 64 से धीरज कुमार व संचित झिमरिया, 65 से मोहनलाल व धीरेन्द्र कुमार, 66 से मनोज कुमार, लोकेश कुमार व अनिल, 67 से तरूण पांडे, अमित पांडे व जतिन भारद्वाज, 68 से प्रदीप कुमार, जतिन भारद्वाज, उमाशंकर व तरूण पांडे, 69 किशनलाल व कृष्ण कुमार, 70 से राकेश कुमार, अरूण कुमार व दिनेश कुमार, 71 से राकेश कौशिक व राजकुमार कौशिक, 72 से अजय शर्मा व शंकर सुमन, 73 से भूपेश पालिवाल व सोमनाथ, 74 से बाबूलाल, 75 से कमलकांत, 76 से मदनलाल व आलोक शर्मा, 77 से खेमचन्द शर्मा व राकेश महता, 78 से महावीर प्रसाद व प्रेमचन्द, 79 से अर्जुनलाल व महेन्द्र कुमार, 80 से हेमन्त चौबे, 81 से नवीन कुमार व गोपाल कृष्ण शांडिल्य, 82 से विजय गौस्वामी व नन्दकिशोर, 83 से प्रभाष छक्कड़ व मनमथ गोस्वामी, 84 से सुरेश कुमार, प्रीतम वशिष्ठ व सिद्धार्थ, 85 से मोहित भारद्वाज, 86 से अनिल कुमार व रामनारायण, 87 नम्बर वार्ड से अजय कुमार हल्दिया ने नामांकन किया है।

खबर संक्षेप

लेफ्टिनेंट बनने पर मनीषा को किया सम्मानित

सतनाली मंडी। खंड के गांव मंढ़ियाली की मनीषा पुत्री छाजुराम का लेफ्टिनेंट बनने पर सरपंच व गणमान्य लोगों ने सम्मान किया। इस अवसर पर मनीषा को पगड़ी पहनाकर ट्रेनिंग के लिए रवाना किया। उक्त जानकारी देते हुए शिक्षा भारती स्कूल नावां संचालक योगेश शास्त्री ने बताया कि मंढ़ियाली वासी मनीषा पुत्री छाजुराम व सुमन देवी के लेफ्टिनेंट बनने पर गांव तथा क्षेत्र में खुशी की लहर है। उन्होंने बताया कि मनीषा ने प्रारंभिक पढ़ाई शिक्षा भारती स्कूल नावां में की। उन्होंने कहा कि मनीषा ने कड़ी मेहनत के बल पर यह मुकाम हासिल कर क्षेत्र का नाम रौशन किया है इससे क्षेत्र के युवाओं को प्रेरणा मिलेगी।

जिले के सभी संस्थानों में होगी एनीमिया की जांच

नारनौल। एसडीएम मनोज कुमार के मार्गदर्शन में सोमवार को एसडीएम कार्यालय में एसएमओ डॉ. अशोक कुमार ने एक जुलाई से 30 जुलाई तक मनाए जाने वाले एनीमिया निस्तारण माह के संबंध में कोऑर्डिनेशन कमेटी की बैठक ली। एसएमओ डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि एनीमिया मुक्त माह के दौरान समन्वित प्रयासों के माध्यम से एनीमिया के प्रकोप को कम करना है। एनीमिया निस्तारण माह के दौरान जिले के प्रत्येक स्वास्थ्य संस्थान पर एनीमिया की जांच होगी।

नीट की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले सम्मानित

महेंद्रगढ़। स्थानीय यादव धर्मशाला में आल हरियाणा पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल यूनियन की ओर से एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में यूनियन के प्रधान सुरेंद्र फौजी की पुत्री विशाखा को नीट यूजी में 581 अंक लेकर आल इंडिया लेवल पर 3380 रैंक हासिल करने पर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह की अध्यक्षता यादव सभा के प्रधान एडवोकेट अभयराम सिंह ने की। मंच संचालन प्रधान महेंद्र सिंह यादव ने किया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि विधायक कवरसिंह यादव मुख्यातिथि एवं श्रीकृष्णा स्कूल के संस्थापक डॉ. बीर सिंह यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

चंदपुरा में 31 बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाए

मंडी अटेली। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ अब 70 या इससे अधिक की आयु पूर्ण कर लेने वाले सभी बुजुर्ग ले सकते हैं। उनका भी आयुष्मान कार्ड बन सकता है। इसके तहत पांच लाख रुपये तक का प्रतिवर्ष निःशुल्क उपचार मिल सकेगा और परिवार पर रुपये का अतिरिक्त बोझ नहीं आएगा। इस योजना के तहत अटेली क्षेत्र के गांव चंदपुरा में सोमवार को अटेली अस्पताल की टीम द्वारा 31 बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाएं है। इस मौके पर डॉ. मनीष ने बताया कि कार्ड बनाने की प्रक्रिया में 50 से भी ज्यादा बुजुर्ग पहुंचे थे, लेकिन तकनीकी खराबी के चलते केवल 31 बुजुर्गों के ही कार्ड बन पाए।

मलेरिया व डेंगू उन्मूलन को लेकर डीसी की अध्यक्षता में बैठक

शिक्षा विभाग स्कूलों में सुबह प्रार्थना के दौरान मलेरिया रोकथाम की दें जानकारी

घरों व कार्यालयों में सूखा दिवस मनाएं, प्रत्येक रविवार को घरों में व प्रत्येक सोमवार को कार्यालय में चलाएं अभियान।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

मुख्यमंत्री के निर्देश अनुसार मलेरिया व डेंगू मुक्त हरियाणा के लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से सोमवार को लघु सचिवालय में उपायुक्त डॉ. विवेक भारती की अध्यक्षता में मलेरिया व डेंगू उन्मूलन अभियान को लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य मलेरिया के प्रसार को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए जन जागरूकता और सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना था। उन्होंने कहा कि इस कार्य में विशेष कर शिक्षा विभाग हर रोज स्कूलों में प्रार्थना के दौरान बच्चों को मलेरिया रोकथाम के बारे में जानकारी दें।

उन्होंने पंचायत तथा शहरी स्थानीय निकाय विभाग के अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि वे अपने क्षेत्रों में यह अभियान चलाना सुनिश्चित करें। रोडवेज विभाग अपने यहां खाली टायरों में पानी ना ठहरने दें।

उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने जिला के नागरिकों से आह्वान किया है कि मलेरिया व डेंगू के मच्छरों के पनपने वाले स्थानों को समाप्त करने के लिए प्रत्येक रविवार को अपने घरों में सूखा दिवस मनाएं। इसी प्रकार प्रत्येक सोमवार को सभी सरकारी एवं निजी कार्यालयों में भी सूखा दिवस मनाया जाए।

इस अभियान के दौरान पानी के बर्तनों, कूलर, पानी की टंकियों, फ्रिज की ट्रे, गमले और घर के आसपास जमा होने वाले सभी स्थानों को खाली करके पूरी तरह से सुखाने पर जोर रहेगा, ताकि मच्छर के अंडे व लार्वा को पनपने से रोका जा सके। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक कुमार सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित थे।

नारनौल। मलेरिया को लेकर अधिकारियों की बैठक लेते डीसी डॉ. विवेक भारती। फोटो : हरिभूमि

पानी एकत्र न होने दें

सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि घरों के अंदर व आसपास के गड्ढों में सात दिन से अधिक पानी इकट्ठा न होने दें। पुराना सामान जैसे टायर, ट्यूब, खाली डिब्बे, पॉलीथिन के लिफाफे खुले में न फेंकें, ताकि बरसात का पानी उसमें इकट्ठा न हो। यदि कूलर प्रयोग में नहीं लाया जा रहा है तो उसमें पानी इकट्ठा न होने दें। हैंड पंप व नल के आसपास पानी जमने होने दें। उन्होंने बताया कि टायरए ट्यूब खाली डिब्बे खुले में ना छोड़े। यदि अंदर रखना संभव न हो तो उन्हें ढक कर रखें। घर में कीटनाशक छिड़काव के बाद कम से कम तीन महीना तक लिपाई, सफेदी और रंग रोगन न करें।

मलेरिया व डेंगू के लक्षण

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि मलेरिया व डेंगू एक गंभीर और जानलेवा बीमारी है, जो संक्रमित मच्छर के काटने से फैलती है। इसके सामान्य लक्षणों में तेज बुखार, सिरदर्द, बदन दर्द और सर्दी व कंपन शामिल हैं।

मलेरिया व डेंगू से बचाव उपाय

सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि पानी के बर्तनों व टंकियों इत्यादि को पूरी तरह ढक कर रखें। छत पर पड़े मटके, टायर, बोतल तथा अन्य टूटे फूटे बर्तनों को हटा दें, ताकि इनमें बरसात का पानी जमा न हो सके। अपने घर के आसपास पानी जमा न होने दें। पानी से भरे गड्ढों में मिट्टी भर दें। यदि यह संभव नहीं हो तो खड़े पानी में मिट्टी का तेल या काला तेल डाल दें। उन्होंने बताया कि पूरी बाजू के कपड़े पहनें। सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग अवश्य करें। ठहरे हुए पानी जैसे कुओं, तालाबों व अन्य जलाशयों में गम्बूजिया मछली डालें। यह मछली मलेरिया फैलाने वाले मच्छरों के लार्वा को खा जाती है।

डेंगू टेस्ट के लिए 650 रुपये निर्धारित

सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि डेंगू में कार्ड टेस्ट केवल सन्देह बताता है। उसे प्रमाणित करने के लिए ऐलिसा टेस्ट करवाते हैं। उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर ही कनफर्म्ड केस माना जाता हैं। प्राइवेट हॉस्पिटल डेंगू टेस्ट के लिए केवल 650 रुपये ही चार्ज कर सकते हैं।

हकेंवि की यूथ रेडक्रॉस टीम ने एडवेंचर कैंप में लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय यूथ रेडक्रॉस टीम ने इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय यूथ रेडक्रॉस एडवेंचर कैंप (बॉय)-2025 में बेस्ट टीम बॉय कोर्डिनेशन का खिताब जीतकर विश्वविद्यालय एवं समस्त क्षेत्र को गौरवान्वित किया। यह कैंप 23 से 27 जून तक हिमाचल प्रदेश के मनाली में आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने इस उपलब्धि पर टीम को बधाई देते हुए कहा कि हमारे विद्यार्थी ना केवल अकादमिक क्षेत्र में, बल्कि सह-शैक्षणिक गतिविधियों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। यूथ रेडक्रॉस टीम ने साहसिक कैंप में जो प्रदर्शन किया है, वह न केवल प्रेरणादायक है, बल्कि यह विश्वविद्यालय की गुणवत्ता और मूल्यों को दर्शाता है। विश्वविद्यालय में यूथ रेडक्रॉस कोआर्डिनेटर प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि रेडक्रॉस की मूल भावना- मानवता, निष्पक्षता, और सेवा को विद्यार्थियों ने मैदान में उतार कर यह सिद्ध किया है कि युवा शक्ति देश की असली पूंजी है। इस कैंप का आयोजन युवाओं को साहसिक गतिविधियों से जोड़कर उनमें आपदा प्रबंधन, नेतृत्व कौशल, अनुशासन और सामाजिक समर्पण की भावना जागृत करने के उद्देश्य से किया गया।

महेंद्रगढ़। राज्य स्तरीय एडवेंचर कैंप में प्रतिभागिता करने वाले हकेवि के विद्यार्थी।

कष्ट निवारण समिति का सदस्य बनाने पर सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ

यादव धर्मशाला संपन्न हुए संत शिरोमणि कबीरदास महाराज के प्रकटोत्सव पर हरियाणा सरकार द्वारा मोहनलाल कौथल को जिला लोक सम्पर्क एवं कष्ट निवारण समिति का सदस्य मनोनीत करने पर उनको पगड़ी पहनाकर उनको सम्मानित किया गया। मंच से वक्ताओं ने मोहनलाल जैसे समाज के पुराने, वरिष्ठ, जुझारू एवं मेहनती कार्यकर्ता को मान–सम्मान देने के लिए एकसुर में भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का धन्यवाद किया और कहा कि इससे समाज में खुशी की लहर है। समाज के प्रबुद्धजन सूबेदार मेजर अमर सिंह ने कहा कि इतिहास में पहली बार हरियाणा सरकार ने महेंद्रगढ़ जिले से धानक समाज के व्यक्ति को ये जिम्मेदारी सौंपकर समस्त धानक समाज का मान सम्मान बढ़ाया है।

महेंद्रगढ़। मोहनलाल को पगड़ी पहनाकर सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

ट्रैफिक पुलिस ने अटेली में सड़क किनारे वाहन खड़ा करने पर काटे चालान

मंडी अटेली। जिला पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के दिशा निर्देशानुसार ट्रैफिक पुलिस इंस्पेक्टर अनिल कुमार के नेतृत्व में अटेली के पुराने बस स्टैंड पर सड़क के किनारे वाहन खड़ा करके वाहनों की चेकिंग की, जिसमें सड़क पर स्टंटबाजी करते हुए नई उम्र के लड़के, मोडिफाइड साइलेंसर, बिना हेलमेट, ब्लैक फिल्म, सीट बेल्ट, बिना ड्राइविंग लाइसेंस एवं तीन सवारी चलने वालों वाहनों के विरुद्ध कार्यवाई कर चालान किए गए। इसके अलावा पुलिस ने बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों पर विशेष नजर रखी तथा उनके कागजातों की जांच की है। इस मौके पर ट्रैफिक पुलिस इंस्पेक्टर ने बताया कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ यह करवाई जारी रहेगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे निर्धारित गति सीमा में ही वाहन चलाएं तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करें। सभी नागरिकों को यातायात नियमों का पालन करना चाहिए, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी आ सके तथा सभी सुरक्षित रहें।

पेड़ पौधे हमारे जीवन का आधारः कंवर सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ

स्थानीय लघु सचिवालय के समीप अनहद शक्ति फाउंडेशन द्वारा संचालित एक पौधा, सौ नेकी अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक कंवर सिंह यादव व एसडीएम अनिल कुमार यादव मुख्यातिथि रहे। विधायक कंवर यादव व एसडीएम अनिल कुमार ने पौधरोपण अभियान का शुभारंभ कर आमजन को अधिक से अधिक पौधरोपण करने के लिए प्रेरित किया। विधायक ने कहा कि अनहद शक्ति फाउंडेशन महेंद्रगढ़ शहर को हरा-भरा एवं सुंदर बनानेके लिए न केवल वृक्षारोपण कर रहा है, बल्कि पौधों के पालन-पोषण की जिम्मेदारी भी स्वयं उठा रहा है।

महेंद्रगढ़। पौधरोपण करते विधायक कंवर सिंह, एसडीएम अनिल कुमार व संगठन के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

खबर संक्षेप

पोषण अभियान योजना को सफल बनाने के लिए सजगता जरूरीः एसडीएम

नारनौल। पोषण अभियान योजना को सफल बनाने के लिए सोमवार को एसडीएम रमित यादव ने महिला एवं बाल विकास विभाग व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक की। एसडीएम रमित यादव ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग के आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों को कुपोषण से बचाने के लिए जो योजनाएं चलाई जा रही हैं, उनकी समय समय पर जांच जरूरी है, ताकि बच्चों के स्वास्थ्य को कुपोषण से बचाने में जो भी समस्या आती है, उसका समय पर निदान किया जा सके। इसके साथ ही अभिभावकों का भी सजग होना जरूरी है कि वो सरकार की योजनाओं का लाभ लेते हुए बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति ध्यान रखें। आंगनबाड़ी केंद्रों पर समय समय पर गर्भवती महिलाओं व बच्चों के स्वास्थ की जांच की जाती है और आवश्यक चिकित्सा जांच व पौष्टिक आहार भी उपलब्ध करवाया जाता है। आंगनबाड़ी वर्करों की ओर से इनसे संबंधित डाटा ऑनलाइन किया जाता है, ताकि प्रशासन के पास इसकी जानकारी समय पर उपलब्ध होती रहे।

आदेश अग्रवाल बने रोटरी क्लब के प्रधान, पारस चौधरी को मिली एजी की जिम्मेदारी

नारनौल। रोटरी इंटरनेशनल का वर्ष 2024-25 के समापन पर रोटरी क्लब यूनिटी की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रविन्द्र गुगनानी की अध्यक्षता में हुई बैठक में आदेश अग्रवाल को प्रधान पद की जिम्मेदारी मिली। वहीं पंकज गर्ग को उपप्रधान, यश गोयल को सचिव व योगेश बंसल को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। क्लब के निवर्तमान प्रधान पारस चौधरी को रोटरी के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रविन्द्र गुगनानी ने अपनी डिस्ट्रिक्ट टीम में शामिल करते हुए नारनौल में रोटरी के तीनों क्लब का असिस्टेंट गवर्नर नियुक्त किया।

जनसुनवाई का बेहतर विकल्प बने समाधान शिविर

नारनौल। हरियाणा सरकार की महत्वाकांक्षी पहल समाधान शिविर नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निवारण में मील का पत्थर साबित हो रही है। इसी कड़ी में सोमवार को उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने लघु सचिवालय में आयोजित शिविर में 80 नागरिकों की शिकायतें सुनी और उनके समाधान के लिए आवश्यक दिशानिर्देश दिए। उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने बताया कि मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश हैं कि अब प्रत्येक शिकायत का निवारण एक सप्ताह के भीतर करके उसकी एक्शन टेकन रिपोर्ट दाखिल करना अनिवार्य होगा।

जिले को बाल विवाह मुक्त करवाना ही लक्ष्यः जिला बाल संरक्षण अधिकारी

धरसूं में ग्रामीणों ने ली बाल विवाह न करवाने की शपथ

- गांव की महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों व बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हर कोई अगर चाहेगा बाल विवाह बंद हो जाएगा। नारे लगाते हुए सोसायटी फॉर एजुकेशन एंड वैलफेयर एक्टिविटिज सेवा संस्था की ओर से गांव धरसूं में सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन व जस्ट राईटस फॉर चिल्ड्रन के सौजन्य से एक्सैस टू जस्टिस प्रोग्राम फॉफ चिल्ड्रन परियोजना के तहत करवाया गया। जिसमें गांव की महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों व बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए संस्था के पदाधिकारी गणेश कुमार ने बताया कि सेवा संस्था की ओर से एक्सैस टू जस्टिस प्रोग्राम फॉफ चिल्ड्रन परियोजना के तहत जिले में बाल अधिकार संरक्षण विषय पर कार्य शुरू कर दिया है। जिसके तहत जिला बाल श्रम, बाल तस्करी व बाल विवाह उन्मूलन पर सघन रूप से कार्य किया जा रहा है।

इस अवसर पर बाल विवाह रोकथाम विषय पर उन्होंने बताया कि बाल विवाह एक कानूनन अपराध, बाल विवाह की कानूनन उम्र लड़कियों के 18 व लड़कों के लिए 21 वर्ष है।

अतः हमें कानून का सम्मान करते हुए इस अपराध से दूर रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के तहत बाल विवाह करवाने व शामिल होने वाला हर व्यक्ति चाहे वो परिवार, रिश्तेदार, पंडित अथवा चाहे वो टैंट, फोटोग्राफर, हलवाई इत्यादि कोई भी हो सभी दोषी करार दिए जाएंगे। अतः हमें बच्चों के भविष्य के देखते इस सामाजिक बुराई का विरोध करना चाहिए।

नारनौल। बाल विवाह न करवाने की शपथ लेते ग्रामीण।

1098 पर करें काल

बाल विवाह की सूचना आप पुलिस 112 व चाईल्ड लाइन नम्बर 1098 पर कॉल करके दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि सेवा संस्था जिला प्रशासन व बाल संरक्षण इकाई के सहयोग बाल विवाह की रोकथाम के लिए कार्य कर रही है। इनके अलावा जिला बाल संरक्षण अधिकारी संदीप कुमार ने बताया कि जिले को बाल विवाह मुक्त करवाना ही हरियाणा सरकार व जिला प्रशासन का लक्ष्य है। जिसकी पूर्ति के लिए हम हमेशा संस्था को भी सहयोग करेंगे। इनके साथ बाल कल्याण समिति के सदस्य राजेश गोयल ने बाल संरक्षण, बाल श्रम व बाल विवाह की रोकथाम के कानूनों बारे में जानकारी दी। अंत में संसाधन व्यक्तियों व प्रतिभागियों ने गांव में बाल विवाह न करवाने की शपथ ली। इस मौके पर सोशल वर्कर गरिमा, एलपीओ राजकुमार, डीसीपीयू व सेवा संस्था से मोहित, नीलम सैनी व चेतन सोनी आदि मौजूद थे।